RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:289 ता. 13 मई 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

चक्रवाती तूफान 'मोचा' की वजह से चढ़ा पूर्वी राज्यों में पारा, कल-परसों इन राज्यों में होगी बारिश

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में बना चक्रवाती तूफान मोचा बहुत तेज हो गया है। शुक्रवार सुबह लगभग 165 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। अब इसके कॉक्स बाजार (बांग्लादेश) और क्यौकप्यू (म्यांमार) के बीच सितवे (म्यांमार) के करीब दक्षिण-पूर्व बांग्लादेश और उत्तरी म्यांमार के तटों को पार करने की उम्मीद है। चक्रवात मोचा के चलते पूर्वोत्तर राज्यों में प्रचंड गर्मी पड़ सकती है, लू का भी खतरा है। भीषण गर्मी के खतरे के बीच आईएमडी का कहना है कि 13 और 14 मई को कुछ राज्यों में मूसलाधार बारिश भी हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि 14 मई 2023 की दोपहर 150-160 किमी प्रति घंटे की अधिकतम निरंतर हवा की गति के साथ 175 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से मोचा गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में बदल सकता है। मोचा तूफान के चलते पूर्वोत्तर भारत में प्रचंड गर्मी की उम्मीद है। इससे पहले बुधवार को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और गंगीय पश्चिम बंगाल के कई स्थानों पर अधिकतम तापमान पहले से ही सामान्य (5.1 डिग्री सेल्सियस या अधिक) से अधिक था। मौसम विभाग ने 11 मई तक गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल में, कोंकण में 10 से 12 मई तक, राजस्थान में 12 और 13 मई को और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 13 से 15 मई के दौरान हीट वेव की चेतावनी दी है। वहीं, अगले 3 दिनों के दौरान कोंकण में मौसम ऐसा ही बने रहने की संभावना है। जबकि अगले 5 दिनों के दौरान ओडिशा में और 13 और 14 मई को केरल और तमिलनाडु में भीषण गर्मी पड़ सकती है।

आईएमडी का कहना है कि बंगाल की खाड़ी की दिशा में पूरे पूर्वी भारत में शुष्क हवाएं चल रही हैं। ये हवाएं बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवात मोचा की दिशा में बढ़ रही हैं।

लाइफलाइन मिलने के बाद एकनाथ शिंदे करने जा रहे कैबिनेट विस्तार, इन नेताओं को मिलेगा मौका

कनाथ शिंदे की सरकार पर वह खतरा टल गया है, जिसकी आशंका सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले जताई जा रही थी। अब खबर है कि इस राहत के बाद एकनाथ शिंदे अब अपनी कैबिनेट का विस्तार कर सकते हैं।

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार को लाइफलाइन दे दी है। अदालत ने साफ कहा कि उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा देकर गलती की थी इसलिए उनकी सत्ता को बहाल नहीं किया जा सकता। इसके अलावा कोर्ट ने कि एकनाथ शिंदे को सरकार गठन के लिए आमंत्रित करके गवर्नर ने कोई गलती नहीं थी। इस तरह एकनाथ शिंदे की सरकार पर वह खतरा टल गया है, जिसकी आशंका सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले जताई जा रही थी। अब खबर है कि इस राहत के बाद एकनाथ शिंदे अपनी कैबिनेट का विस्तार कर सकते हैं। चर्चा है कि 17 जुलाई से शुरू होने वाले मॉनसून सेशन से पहले एकनाथ शिंदे सरकार का कैबिनेट विस्तार होगा। इससे पहले बीते साल

अगस्त में गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी ने 18 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई थी। तब एकनाथ शिंदे गुट के 9 विधायक मंत्री बने थे और इतने ही भाजपा विधायकों को मंत्री पद मिल गया था। अब असली शिवसेना का दर्जा पा चुके शिंदे गुट के नेताओं का कहना है कि विस्तार में उन लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो महाविकास अघाड़ी सरकार में मंत्री रह चुके हैं।

शिंदे के घर जश्न पर उद्धव के यहां सन्नाटा

एकनाथ शिंदे गुट में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद खुशी की लहर है। उनके घर में फैसले के बाद जश्न का माहौल था और कार्यकर्ता मिठाइयां बांटते दिखे। वहीं उद्धव ठाकरे के बंगले पर सन्नाटा ही पसरा रहा। भले ही उद्धव ठाकरे ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को अपने लिए नैतिक जीत के तौर पर पेश किया, लेकिन सच यही था कि उनके लिए वास्तव में हालात नहीं बदले।

ऑपरेशन सफल पर मरीज की मौत जैसा SC का फैसला-उद्धव गुट

उद्धव ठाकरे गुट के मूड को उनकी नेता सुषमा अंधारे के बयान से भी समझा जा सकता है। उन्होंने कहा, यह ऐसा ही है कि ऑपरेशन तो सफल हो गया, लेकिन मरीज की मौत हो गई। एक अन्य नेता ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले के भरोसे थे, लेकिन हमें झटका लगा है। इस फैसले के बाद तो एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

रेलवे में अग्निवीरों के लिए 15 प्रतिशत पद आरक्षित

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने सीधी भर्ती में अग्निवीरों के लिए 15 फीसदी पद आरक्षित करने का फैसला किया है। बोर्ड ने इस बाबत 10 मई को सभी जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों और रेलवे भर्ती बोर्ड को दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। रेलवे बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि लेवल-1 में चतुर्थ श्रेणी जैसे गैंगमैन, ट्रैकमैन, खलासी, प्वाइंटमैन आदि खाली पदों में अग्निवीरों को 10 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। लेवल-2 में जूनियर क्लर्क, टाइपिस्ट, अकाउंटेंट, जूनियर टाइम कीपर, ट्रेन क्लर्क सहित गैर राजपत्रित रिक्त पदों में पांच फीसदी आरक्षण मिलेगा। लेवल-1 में रिक्त पदों को रेलवे भर्ती सेल से भरा जाएगा। जबकि लेवल-2 के पदों पर भर्ती प्रक्रिया आरआरबी आयोजित करेगी। अग्निवीरों को लिखित परीक्षा पास करनी होगी। हालांकि,उन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा से छूट होगी। सेवानिवृत्त अग्निवीरों के पहले बैच को आयु में पांच वर्ष छूट मिलेगी। इसके बाद वाले बैच के अग्निवीरों को तीन साल की छूट मिलेगी। इस निर्धारित कोटे में यदि पर्याप्त अग्निवीर आवेदन नहीं करते हैं तो दूसरे

आरक्षित वर्ग के युवाओं को अवसर दिया जाएगा।

सीआईएसएफ में महिला कांस्टेबल भर्ती पर विचार

सीआईएसएफ में पुरुषों के समतुल्य कांस्टेबल/चालक और कांस्टेबल/चालक-सह-पंप ऑपरेटर के पद पर महिलाओं की भर्ती पर विचार किया जा रहा है। केंद्र ने दिल्ली उच्च न्यायालय में यह जानकारी दी है। केंद्र सरकार ने भर्ती नियमों में संशोधन की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए आठ सप्ताह का समय मांगा है।

टिल्लू ताजपुरिया गैंग के शार्प शूटर अमित दबंग के भाई बंटी ने गोली मारकर किया सुसाइड

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में मारे गए गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया गैंग के शार्प शूटर अमित दबंग के भाई मोहित उर्फ बंटी ने भी गोली मारकर सुसाइड कर लिया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया के तिहाड़ जेल में मारे जाने के कुछ दिनों बाद, उसके एक सहयोगी के भाई ने गुरुवार देर रात कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। बंटी के रूप में पहचाने गए 25 वर्षीय रोगी को एसआरएचसी अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने कहा कि मृतक का बड़ा भाई सोनू उम्र 31 साल पिछले छह साल से जेल में है और टिल्लू गिरोह से जुड़ा हुआ है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, उन्हें घटना की जानकारी कल दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर मिली.

पुलिस ने कहा, आज दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर एसआरएचसी अस्पताल नरेला से पीएस अलीपुर में सूचना मिली कि गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, टिल्लू की हत्या के बाद से बीमार काफी परेशान था। हालांकि,

पुलिस मामले में इस कोण से जांच कर रही है। मृतक तीन मंजिला इमारत में अपने माता-पिता, पत्नी और दो बच्चों के साथ रह रहा था।

पुलिस ने आगे कहा कि मृतक के परिवार के सदस्यों ने कल गोली चलने की आवाज सुनी और उसे खून से लथपथ पाया। गुरुवार को मृतक अपने परिजनों के साथ घर लौटा और उनसे 2-3 मिनट बात की और फिर दूसरी मंजिल पर अपने कमरे में चला गया. अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी और जब परिजन मृतक के कमरे में पहुंचे, वह खून से लथपथ मृत हालत में पड़ा था। उसे एसआरएचसी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। क्राइम टीम ने क्राइम सीन का मुआयना किया और क्राइम सीन से एक खाली कारतूस व एक जिंदा कारतूस के साथ 9 एमएम का पिस्टल बरामद किया गया है.

पुलिस अधिकारियों के अनुसार मृतक का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और वह खेती का काम करता है। मृतक का बड़ा भाई अमित उर्फ दबंग उर्फ सोनू उम्र 31 साल पिछले छह साल से जेल में बंद है और टिल्लू गिरोह से जुड़ा हुआ है। मृतक का एक और बड़ा भाई मोनू उम्र 27 साल हाल ही में जेल से छूटा है। जनवरी में जेल, ÷पुलिस ने कहा। मामले की आगे की जांच चल रही है।

दिल्ली से बिहार तक लू के आसार, इन राज्यों में होगी बारिश

नई दिल्ली। उत्तर भारत सहित देश के विभिन्न हिस्सों में तापमान एक बार फिर से बढ़ने लगा है। हाल के दिनों में इन इलाकों में बारिश के कारण गर्मी से राहत मिली थी। मौसम विभाग के मुताबिक, बिहार और महाराष्ट्र समेत देश के छह राज्यों में लू चलने का अनुमान है। वहीं, मोचा चक्रवात के कारण अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में लगातार कई दिनों से बारिश हो रही है। राजस्थान के लिए 12 से 13 मई तक और आंध्र प्रदेश के लिए 13 से 15 मई तक लू की संभावना को देखते हुए एडवाइजरी जारी की गई है। वहीं, भारत के दक्षिणी राज्यों के लिए बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, केरल और माहे में अगले पांच दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

दिल्ली- देश की राजधानी में आज भी तेज धूप का अनुमान है। तापमान में भी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। यह सिलसिला आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। आज के लिए अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री रहने की संभावना है।

मुंबई-देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में आज दिन की शुरुआत आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ होगी। हालांकि, इसके बाद धूप खिलेगी। यहां

अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 29 डिग्री रहने की संभावना जताई गई है।

कोलकाता-मौसम के पूर्वानुमान से संकेत मिलता है कि कोलकाता में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की उम्मीद है। आज अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

राज्यपाल के पास सियासी अखाड़े में उतरने का अधिकार नहीं-सुप्रीम कोर्ट ने की तीखी टिप्पणी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट को लेकर गुरुवार बड़ा दिन साबित हुआ। सुप्रीम कोर्ट में एक ओर जहां पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की पद पर बहाली से इनकार कर दिया गया। वहीं, राज्यपाल की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। हालांकि, इन सभी के बीच पश्चिमी राज्य की मौजूदा एकनाथ शिंदे सरकार पर छाए संकट के बादल छटते नजर आ रहे हैं। कोर्ट ने विधायकों की अयोग्यता से जुड़ा फैसला स्पीकर पर छोड़ा है। गुरुवार को शीर्ष न्यायालय में राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के उद्धव को बहुमत साबित करने के लिए बुलाने के फैसले पर सवाल उठे। कोर्ट ने कहा कि राज्यपालों के पास सियासी अखाड़े में उतरने का अधिकार

नहीं है। फैसले में कहा गया है, राज्यपाल उन ताकतों का इस्तेमाल नहीं कर सकते, जो उन्हें दी ही नहीं गई हैं। राज्यपाल के पास राजनीतिक अखाड़े में उतरकर पार्टियों के झगड़े में पड़ने का कोई अधिकार नहीं है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एमआर शाह, जस्टिस कृष्ण मुरारी, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने कहा, वह इस आधार पर काम नहीं कर सकते कि कुछ लोग शिवसेना छोड़ना चाहते थे। संवैधानिक बेंच ने कहा कि सरकार के बहुमत गंवाने और सरकार के विधायकों के नाखुश होने में फर्क है। इस दौरान राज्यपाल के फ्लोर टेस्ट बुलाने के फैसला भी सवालिया निशानों से घिर गया।

गर्मी की छुट्टियों के बाद प्राइमरी शिक्षकों को मोबाइल पर करने होंगे ये सारे काम, 14 रजिस्टर रजिस्टर होंगे छूमंतर; संघ को ऐतराज

कोर्ट ने कहा है कि पार्टी के भीतर जारी मतभेदों को सुलझाने के लिए फ्लोर टेस्ट का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। बीते साल जून-जुलाई में शिंदे की अगुवाई में शिवसेना के करीब 40 विधायकों ने अलग होकर भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर सरकार बना ली थी।

उद्धव ठाकरे पर भी सवाल

बेंच ने कहा कि भले ही फ्लोर टेस्ट बुलाने का राज्यपाल का फैसला गलत था, लेकिन उद्धव ठाकरे ने भी फ्लोर टेस्ट का सामना नहीं किया और इस्तीफा दे दिया। ऐसे में कुछ नहीं किया जा सकता उनकी बहाली नहीं हो सकती। इसके चलते ही राज्य में शिंदे सरकार चलती रहेगी। 17 फरवरी को निर्वाचन आयोग ने शिंदे की अगुवाई वाले समूह को शिवसेना के रूप में मान्यता दे दी थी।

डेडलाइन से सालभर पहले शुरू हो जाएगी गंगा एक्सप्रेस-वे, कुंभ से पहले योगी सरकार दिखाना चाहती है झांकी

लखनऊ। प्रयागराज में जनवरी 2025 में होने वाले अगले महाकुंभ मेले के साथ यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार देश की सबसे बड़ी एक्सप्रेसवे परियोजनाओं में से एक गंगा एक्सप्रेसवे को शुरू करने की कोशिश में है। यूपी सरकार 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे को डेडलाइन से सालभर पहले शुरू करना चाहती है। ताकि जनता को कुंभ से पहले झांकी दिखाई जाए। सूत्रों का कहना है कि परियोजना पर काम कर रहीं अडानी एंटरप्राइजेज और आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स को काम जल्दी पूरा करने के लिए साप्ताहिक आधार पर फाइनेंशियल इंसेंटिव भी दिया जाएगा। यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार 2025 के महाकुंभ मेले को भव्य आयोजन के रूप में मनाने की व्यापक तैयारी कर रही है। इसके लिए यूपी सरकार के लिए 594 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेसवे काफी अहम है। मेरठ से प्रयागराज तक राज्य के 12 जिलों में फैले इस एक्सप्रेसवे को पीपीपी मॉडल पर 36,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया जा रहा है। सरकार चाहती है कि गंगा एक्सप्रेसवे को डेडलाइन से पहले तैयार किया जाए। सरकार कुंभ का आयोजन शुरू होने से पहले गंगा एक्सप्रेसवे को चालू करना चाहती है।

परियोजना के पूरा होने की समय सीमा दिसंबर 2025 है, लेकिन सरकार चाहती है कि यह डेडलाइन से एक साल पहले ही शुरू किया जाए। इस महत्वपूर्ण परियोजना का ठेका डेवलपर्स - अडानी एंटरप्राइजेज और आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स के पास है। सरकार ने फाइनेंशियल इंसेंटिव के साथ परियोजना को 2024 के अंत तक पूरा करने के लिए कहा है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नरेंद्र भूषण का कहना है ÷परियोजना में तीन साल लगने हैं, लेकिन हमने बिल्डरों से कुंभ मेले को ध्यान में रखते हुए इसे समय से पहले पूरा करने का अनुरोध किया है।÷

5 महीने में 25 फीसदी काम

दिसंबर 2024 तक परियोजना का काम जल्द पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर डेवलपर्स ने काम शुरू होने के केवल 5 महीनों में ÷अर्थवर्क÷ (पैच की स्क्रैपिंग और ग्रेडिंग) का 25त्न पूरा कर लिया है। बता दें कि इस परियोजना का निर्माण कार्य पिछले साल अक्टूबर में शुरू हुआ था। राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले दिसंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस परियोजना का शिलान्यास किया था, इस परियोजना का कार्य चार खंडों में विभाजित किया गया है।

चार में से तीन का टेंडर अडानी के पास चार में से तीन सेक्शन के लिए टेंडर अडानी एंटरप्राइजेज को मिला है, जबकि आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स को एक टेंडर मिला। पहला सेक्शन मेरठ से शुरू होकर 130 किमी तक फैला है। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स द्वारा इस कार्य को अमरोहा तक किया जा रहा है। जबकि, 152 किलोमीटर में फैले सेक्शन-2 को अडानी इंटरप्राइजेज कर रही है, यह बदायूं से हरदोई जिले तक है। 155 किलोमीटर में फैला सेक्शन-3 हरदोई से उन्नाव तक है, जबकि 157 किलोमीटर लंबा सेक्शन-4 उन्नाव से प्रयागराज तक तैयार जा रहा है।

अनुबंध की शर्तें

राज्य में हाल ही में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे जैसी कुछ एक्सप्रेसवे परियोजनाओं को ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) मॉडल पर बनाया गया था, जिसमें परियोजना को पूरा करने के लिए एक कंपनी को अनुबंध दिया गया। इसमें पूरी लागत सरकार द्वारा वहन की गई। जबकि, गंगा एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे की तरह, पीपीपी मॉडल पर तैयार किया जा रहा है। इसमें डेवलपर के पास 3 साल की निर्माण अवधि सहित 30 साल का अधिकार होगा। इसमें परियोजना का डिजाइन, निर्माण, वित्त और संचालन सभी शामिल है। इस अवधि के पास परियोजना सरकार के पास हस्तांतरित होगी।

मूवी द केरल स्टोरी के दर्शकों को सुरक्षा देने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर

नई दिल्ली । देशभर में द केरल स्टोरी फिल्म को लेकर विवाद बढ़ते देख सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में द केरल स्टोरी फिल्म देखने की इच्छा रखने वाले लोगों और फिल्म दिखाने की इच्छा रखने वाले मल्टीप्लेक्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई है। याचिका में फिल्म पर से बंगाल में प्रतिबंध हटाने का निर्देश देने का अनुरोध भी किया गया है। इसमें कहा गया है कि इस बैन से राज्य में अधिक हिंसा और अशांति पैदा हो रही है। फिल्म द केरल स्टोरी को बंगाल में बैन किए जाने के बाद भाजपा नेताओं ने इसका खुलकर समर्थन किया है। असम के सीएम हिमंता बिसव सरमा ने भी बीते दिन अपने कैबिनेट मंत्रियों के साथ फिल्म देखी और उन्होंने कहा कि इस फिल्म को सभी लोगों को अपनी बेटी के साथ देखना चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने भी आज द केरल स्टोरी को देखने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह फिल्म समाज के जो वास्तविक चित्र हैं जो घटनाएं घटित हुई हैं उस पर बनी है, इसलिए इसे बैन करना गलत चीज है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म से समाज को दिशा मिलेगी, बच्चें सतर्क होंगे। कलाकारों पर बैन लगाना उचित नहीं है। बता दें कि पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने द केरल स्टोरी फिल्म पर राज्य में बैन लगा दिया है। सरकार ने कहा है कि इस फिल्म को देखने से लोगों के मन में द्वेष पैदा हो सकता है और इससे राज्य में हिंसा की घटनाओं में इजाफा हो सकता है। हालांकि, इस बैन को लेकर अब सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल हुई है। याचिका में अपील की गई है कि राज्य में फिल्म से बैन हट जाना चाहिए और जो लोग इसे देखना चाहते हैं उन्हें सुरक्षा दी जाए।

गोल्डी बराड़ गिरोह के 8 शूटर दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान से गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के तीन जबरन वसूली के मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई गोल्डी बराड़ गिरोह के 8 शूटरों को दिल्ली समेत हरियाणा और राजस्थान से गिरफ्तार किया है, जिसमें दो बालिग और बाकी सदस्य नाबालिग हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों बदमाश इस काम के लिए अपने गिरोह के किशोरों का इस्तेमाल कर रहे थे। इस मामले में कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच ने कुल 8 लोगों को पकड़ा है और 6 हथियार बरामद किए गए हैं। गोल्डी बराड़-लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य जबरन वसूली के लिए किशोरों का इस्तेमाल कर रहे हैं। विशेष आयुक्त अपराध शाखा रवींद्र कुमार यादव के मुताबिक अमेरिका में बैठे गोल्डी और साबरमती जेल में बंद लारेंस और उसके भाई अनमोल बिश्नोई के निर्देश पर इन शूटरों ने दिल्ली के तीन अलग-अलग बिजनेसमैन के घरों पर रंगदारी न देने पर फायरिंग कराई थी। लारेंस ने पहले तीनों से मोटी रकम देने की मांग की थी। पैसे देने से मना करने पर गोलियां चलवा दी थी। यह गिरोह हरियाणा और राजस्थान के दूरदराज के गांवों से नाबालिग लड़कों को अपराध कराने के लिए चुनते हैं। उन्हें डरा-धमका कर और पैसे देकर अपराध करने के लिए तैयार कर लेते हैं। इन्हें अलग-अलग जगहों से हथियार, गोली, बाइक उठाने के निर्देश मिलते हैं, ताकि पकड़े जाने पर ये किसी के बारे में कोई जानकारी न दे पाए। इसके बाद इन्हें टारगेट बताया जाता है। नाबालिगों को नशे के लिए भरपूर पैसे दिए जाते हैं, जिससे खुश होकर नाबालिग गैंगस्टर के निर्देश के मुताबिक कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। इनकी उम्र 16 से 17 साल होती है। पुलिस का कहना है कि बड़े गैंगेस्टरों द्वारा नाबालिगों के अपराध कराने का यह सालों से बड़ा ट्रेंड चल चुका है। समाज के लोगों को और स्कूलों में शिक्षकों को बच्चों को इस बारे में सचेत करने की जरूरत है।

कर्नाटक में ईवीएम के बारे में कांग्रेस के आरोपों को चुनाव आयोग ने किया खारिज

नई दिल्ली । चुनाव आयोग ने कर्नाटक में उपयोग की जाने वाली ईवीएम के बारे में कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ये सभी ईवीएम का उपयोग पहली बार हुआ है। कांग्रेस ने कहा था कि इन ईवीएम का उपयोग दक्षिण अफ्रीका में पहले हो चुका है। ईसीआई ने कांग्रेस के आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि उन्हें अफवाह फैलाने की गंभीर क्षमता वाली झूठी सूचना के स्रोतों को सार्वजनिक करना चाहिए, ताकि उस पर कार्रवाई हो सके। ईसीआई का कहना है कि कांग्रेस विशेष रूप से जानती थी कि कर्नाटक में केवल नए ईसीआईएल निर्मित ईवीएम का उपयोग किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने इससे पहले कांग्रेस नेता सुरजेवाला को पत्र लिख बताया था कि कर्नाटक चुनाव में उपयोग की गई ईवीएम इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा निर्मित है और यह दक्षिण अफ्रीका में पहले इस्तेमाल नहीं हुई है। बीते 10 मई को हुए कर्नाटक चुनाव के नतीजे कल आने हैं। इस बीच कांग्रेस ने ईवीएम पर सवाल तो उठाए हैं, लेकिन वो राज्य में अपनी सरकार बनने का दावा भी कर रही है। बता दें कि विभिन्न मीडिया के एग्जिट पोल में भी कांग्रेस को बहुमत मिलता दिख रहा है।

ब्रह्मोस, पृथ्वी सहित छह मिसाइलों की प्रतिकृतियां प्रदर्शित

-कोलकाता की साइंस सिटी स्थित मिसाइल पार्क में

कोलकाता । कोलकाता की साइंस सिटी स्थित मिसाइल पार्क में दर्शकों के लिए ब्रह्मोस, पृथ्वी और चार अन्य मिसाइलों की वास्तविक आकार वाली प्रतिकृतियां प्रदर्शित की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि यह रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की महान प्रगति को प्रदर्शित करने की कवायद का हिस्सा है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की इकाई 'सेंटर फॉर मिलीमीटर-वेव सेमीकंडक्टर डिवाइसेज एंड सिस्टम्स (सीएमएसडीएस) और कोलकाता की साइंस सिटी ने संयुक्त रूप से यह मिसाइल पार्क विकसित किया है, ताकि लोगों को इन प्रतिकृतियों के द्वारा देश के मिसाइल विकास कार्यक्रम से अवगत कराया जाए। भारत के 'मिसाइल मैन' पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम की प्रतिमा भी पार्क में स्थापित है। जब कोई दर्शक प्रतिमा के सामने आकर खड़ा होता है, तब एक ऑडियो कमेंट्री अपने आप चालू हो जाती है जो देश के मिसाइल कार्यक्रम की जानकारी देती है। साइंस सिटी के निदेशक अनुराग कुमार ने कहा, लोग गणतंत्र दिवस की परेड के दौरान अपने टेलीविजन सेट पर आमतौर पर जो मिसाइल देखते हैं, वे अब साइंस सिटी में देख सकते हैं। हमने दर्शकों को मिसाइल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की महान प्रगति की जानकारी देने के लिए मिसाइलों की प्रतिकृतियों के साथ एक मिसाइल पार्क स्थापित किया है। हमें उम्मीद है कि यह मिसाइल पार्क युवाओं को विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।'' यह पार्क 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर खोला गया। इसमें लोग भारत की छह महत्वाकांक्षी मिसाइलों ब्रह्मोस, पृथ्वी, मिशन शक्ति, आकाश, अस्त्र और नाग की प्रतिकृतियां देख सकते हैं।

गुजरात के 68 जजों के प्रमोशन पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

-राहुल गांधी मानहानि केस में सजा सुनने वाले जज का नाम शामिल

अहमदाबाद । गुजरात के 68 जजों के प्रमोशन पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। इन जजों की सूची में कांग्रेस नेता और पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी को मानहानि केस में सजा सुनाने वाले जज हरीश वर्मा का भी नाम शामिल है। पिछले दिनों हाई कोर्ट ने जजों को प्रमोशन दिया गया था। इसके बाद गुजरात सरकर ने इन जजों की नियुक्ति का आर्डर भी जारी किया था। प्रमोशन प्रक्रिया में कम अंकों वाले जजों के चयन पर गुजरात दो ज्यूडिशियल ऑफिसर ने सुप्रीम कोर्ट का रुख कर हाईकोर्ट की तरफ से अपनाए गए तरीके पर आपत्ति जाहिर की थी। मामले में 8 मई को आखिरी सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला रिजर्व कर लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 12 को मई को अपने अंतरिम फैसले में सभी जजों के प्रमोशन पर रोक लगाने की घोषणा की थी। ऐसी कौन सी असाधारण हड़बड़ी थी कि राज्य सरकार पदोन्नति की अधिसूचना जारी करने के लिए 10 दिन इंतजार नहीं कर सकी? क्या आपका सचिव कानून से ऊपर है? यह और कुछ नहीं बल्कि इस अदालत और वर्तमान कार्यवाही को खत्म करने का प्रयास है। हम मामले को बेहद गंभीरता से ले रहे हैं। हम किसी का भी करियर खत्म कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट की प्रक्रिया को कभी भी ओवररीच करने की कोशिश न करें। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से गुजरात हाई कोर्ट और राज्य सरकार को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एम आर शाह और जस्टिस सीटी रवि कुमार ने अपने फैसले में कहा है कि राज्य सरकार ने याचिका के लंबित रहने दौरान जजों के ट्रांसफर को लेकर नोटिफिकेशन जारी किया।

पाकिस्तान को लेकर बोले फारूक अब्दुल्ला, मुल्क जितना मजबूत रहेगा उतना हिंदुस्तान के लिए भी अच्छा होगा

श्री नगर (एजेंसी)। पाकिस्तान में इमरान खान को लेकर राजनीतिक बवाल मचा हुआ है। दरअसल, इमरान खान को पाकिस्तान में गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि, कोर्ट की ओर से उन्हें जमानत दे दी गई है। लेकिन इमरान खान की पार्टी के कार्यकर्ता लगातार पाकिस्तान में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके बाद पूरे पाकिस्तान की स्थिति फिलहाल बिगड़ी नजर आ रही है। पाकिस्तान के पूरे मामले को लेकर पड़ोसी मुल्क के नाते भारत की पैनी नजर है। भारत ने भी अपनी सीमाओं पर चौकशी को बढ़ा दिया है। इन सब के बीच फारूक अब्दुल्लाह का एक बयान सामने आया है। फारुख अब्दुल्ला ने कहा है कि वह चाहते हैं कि पाकिस्तान हमेशा मजबूत रहें। अपने बयान में फारूक अब्दुल्ला ने इमरान खान प्रकरण को लेकर साफ तौर पर कहा कि पाकिस्तान जितना मजबूत रहेगा, उतना ही हिंदुस्तान के लिए अच्छा होगा।

अपने बयान में फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हम यही चाहेंगे की पाकिस्तान मजबूत रहे, वहां पर अमन आए, इमरान खान जिंदा रहें... मुल्क जितना मजबूत रहेगा उतना हिंदुस्तान के लिए भी अच्छा रहेगा। इससे पहले फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि अस्थिर पाकिस्तान हमारे लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि हमें एक स्थिर पाकिस्तान चाहिए जो उपमहाद्वीप में शांति के लिए जरूरी है। वरिष्ठ नेता ने कहा कि हम उस देश के अच्छे होने की कामना करते हैं। वह हमारा पड़ोसी है और हमें उम्मीद है कि कुछ बेहतर आएगा और लोगों का शांतिपूर्ण जीवन होगा।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 17 मई तक ऐसे किसी भी मामले में गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान किया, जो नौ मई के बाद दर्ज किए गए हैं। इससे चंद मिनट पहले ही उच्च न्यायालय ने भ्रष्टाचार के एक मामले में खान को दो सप्ताह के लिए जमानत दी थी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी को 'झूठा' करार दिया और उन पर नकदी संकट से गुजर रहे देश को 'विनाश' की ओर धकेलने का आरोप लगाया।

कैलाश-मानसरोवर यात्रा पर चीन ने बढ़ाई फीस, 2 लाख रुपए के करीब पहुंचा खर्च

देहरादून । चीन ने कैलाश-मानसरोवर यात्रा के लिए वीजा देने शुरू कर दिए हैं, जो तीन साल से बंद रही। चीन ने यात्रा के नियम बेहद कड़े कर दिए हैं। यात्रा पर लगने वाले कई तरह की फीस दोगुनी कर दी है। अब भारतीयों को यात्रा के लिए 1.85 लाख रुपये खर्च करने होंगे। अगर तीर्थयात्री अपनी मदद के लिए नेपाल से किसी वर्कर या हेल्पर को साथ रखेगा तो 24 हजार रु. एक्सट्रा चुकाने होंगे। इस शुल्क को 'ग्रास डैमेजिंग फी' कहा गया है। चीन का तर्क है कि यात्रा के दौरान कैलाश पर्वत के आसपास की घास को नुकसान पहुंचता है, जिसकी भरपाई यात्री से ही की जाएगी। भारत में उत्तराखंड के जरिये होने वाली कैलाश यात्रा 2019 से बंद है, लेकिन नेपाल के जरिये ये यात्रा शुरू की जा रही है। इसके लिए 1 मई से रजिस्ट्रेशन भी शुरू हो गया है। चीन ने पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी अब्दुल रऊफ अजहर के नाम को ब्लैक लिस्ट में डालने के भारत के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आपत्ति जताई। रऊफ मसूद का भाई है। चीन ने जेम के अब्दुल रऊफ को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 आईएसआईएल और अल कायदा की प्रतिबंधित लिस्ट में डालने के भारत के प्रस्ताव का विरोध किया। रऊफ अजहर पर अमेरिका ने दिसंबर 2010 में प्रतिबंध लगाए थे। अगस्त 2022 में भी भारत ने रऊफ अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित करने के लिए प्रस्ताव पेश किया था, तब भी सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में चीन ने वीटो के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए प्रस्ताव रोक दिया था।

खतरनाक हुआ चक्रवात मोचा, बंगाल में एनडीआरएफ की 8 टीमें तैनात

- मणिपुर, त्रिपुरा और नागलैंड भारी बारिश का अनुमान

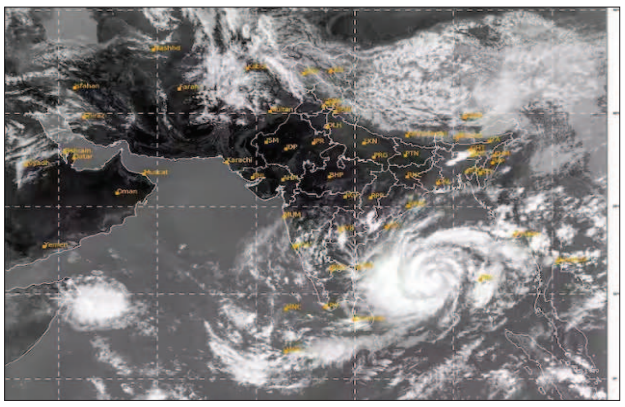

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य बंगाल की खाड़ी से सटे दक्षिण पूर्व में चक्रवाती तूफान मोचा एक बहुत ही भीषण चक्रवाती तूफान में बदल गया है। आईएमडी ने कहा कि 'मोचा' पिछले छह घंटों के दौरान 9 किमी.प्रति घंटे की गति से उत्तर दिशा की ओर बढ़ रहा है।

मौसम विभाग ने कहा कि इसके उत्तरपूर्व की ओर बढ़ने और तेज होने की संभावना है। इसके 14 मई की दोपहर के आसपास कॉक्स बाजार (बांग्लादेश) और सितवे के करीब क्यौकप्यू (म्यांमार) के बीच तट को पार करने की संभावना है। ये 150-160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ एक बहुत ही गंभीर चक्रवाती तूफान है। जिसमें हवा की रफ्तार 175 किमी. प्रति घंटे तक हो सकती है। यमन ने इस तूफान का नामकरण चक्रवात 'मोचा' (उच्चारण मोखा) किया है, जो शुक्रवार को अपनी तेजी पर आने वाला है। यमन ने लाल सागर के बंदरगाह शहर मोखा के नाम पर चक्रवात का नाम 'मोचा' (मोखा) रखा, जिसने 500 साल पहले दुनिया को कॉफी की सौगात दी थी।

देश में जैसे ही चक्रवात मोचा 'गंभीर' हुआ, तभी राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने बंगाल के दीघा में आठ टीमों और 200 बचावकर्ताओं को तैनात किया है। एनडीआरएफ की दूसरी बटालियन के कमांडेंट गुरमिंदर सिंह ने कहा कि 'भविष्यवाणियों के अनुसार चक्रवात मोचा 12 मई को एक भयंकर तूफान और 14 मई को एक बहुत गंभीर चक्रवात में बदल जाएगा।' सिंह ने कहा कि एनडीआरएफ के 200 बचावकर्मियों को जमीन पर तैनात किया गया है और 100 बचावकर्मी स्टैंडबाय पर हैं।

मौसम विभाग ने कई पूर्वोत्तर राज्यों और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है। मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवात की गति के कारण इन इलाकों में भारी वर्षा होने की संभावना है। त्रिपुरा और मिजोरम में 13 मई और 14 मई को अधिकांश स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। नागालैंड, मणिपुर और दक्षिण असम में 14 मई को बारिश होने और कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है।

बंगाल के अन्य हिस्सों में 'मोचा की तैयारी

उत्तर 24 परगना जिला प्रशासन तूफान की चेतावनी के मद्देनजर सुंदरबन इलाके में जरूरी कदम उठा रहा है। संदेशखाली-1, संदेशखाली-2, हिंगलगंज और मीनाखान सहित सुंदरबन के पास हर ब्लॉक में एक कंट्रोल रूम बनाया गया है। सिविल डिफेंस के जवान चौबीसों घंटे वहां तैनात रहने वाले हैं। एक अधिकारी ने कहा कि सिंचाई और बिजली विभाग के कर्मचारियों की छुट्टियां अगले एक सप्ताह के लिए रद्द कर दी गई हैं। इलाके के स्कूलों को शेल्टर के तौर पर तैयार किया जा रहा है। प्रखंड प्रशासन सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ कमजोर बांधों का निरीक्षण कर रहा है।

संदेशखाली, हिंगलगंज और हसनाबाद क्षेत्रों में जहां कमजोर तटबंध हैं, वहां शीघ्र मरम्मत के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। वहीं स्थानीय पंचायतों को बांधों का दिन-रात निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। राहत शिविरों के साथ जिला तट के साथ कुल 56 चक्रवात आश्रयों को सक्रिय किया गया है और स्वास्थ्य कर्मियों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

शिंदे सरकार को कोई भी खतरा नहीं, सीएम का इस्तीफा मांगना गलत: अजित पवार

- उद्धव ठाकरे के शिंदे का इस्तीफा मांगे जाने के सवाल पर अजित ने दिए बयान

मुंबई (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे को लेकर उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का इस्तीफा मांग रहे हैं। इस बीच विधानसभा में नेता विपक्ष अजित पवार की राय सबसे अलग है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि सीएम एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस्तीफा मांगने की कोई जरूरत नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने अपने ही अंदाज में तंज भी कसा। अजित पवार ने कहा कि यह सपने में भी न सोचें कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस इस्तीफा दे देंगे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और आज के लोगों में बहुत बड़ा अंतर है।

उद्धव ठाकरे की ओर से एकनाथ शिंदे का इस्तीफा मांगे जाने के सवाल पर अजित पवार ने यह बात कही। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले भी अजित पवार ने महाविकास अघाड़ी के अन्य नेताओं के उलट जाते हुए कहा था कि एकनाथ शिंदे सरकार को कोई भी खतरा नहीं है। इस बीच उद्धव ठाकरे का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि अब विधानसभा स्पीकर को एकनाथ शिंदे समेत 16 विधायकों की अयोग्यता पर तुरंत फैसला लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि स्पीकर राहुल नार्वेकर निष्पक्ष होकर फैसला करेंगे।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जो फैसला दिया था, उसमें एकनाथ शिंदे सरकार और उद्धव ठाकरे दोनों के लिए ही खुश होने की वजहें थीं। एक तरफ अदालत ने उद्धव ठाकरे के इस्तीफे को गलती बताते हुए कहा था कि उन्होंने खुद ही पद छोड़ा, इसलिए उनकी सरकार बहाल नहीं हो सकती। इस तरह एकनाथ शिंदे की सरकार को लाइफलाइन मिल गई। इसके साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि पार्टी की आंतरिक कलह के मामले में गवर्नर को विश्वास मत प्रस्ताव नहीं लाना चाहिए। ऐसा करना गलत था। राज्यपाल के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को ही उद्धव ठाकरे खेमा अपनी जीत करार दे रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी सचिव का ट्रांसफर नहीं कर रहा केंद्र: सीएम अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफसरों के ट्रांसफर पोस्टिंग मामले पर फैसला आने के बाद दिल्ली सरकार एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट के सामने सर्विसेज विभाग के सचिव के ट्रांसफर का मुद्दा उठाया गया है। शुक्रवार को केजरीवाल सरकार ने आरोप लगाया है कि केंद्र अधिकारियों का ट्रांसफर नहीं करने दे रहा है. दिल्ली सरकार ने सीजेआई के समक्ष कहा कि केंद्र दिल्ली सरकार के सर्विसेज विभाग के सचिव का ट्रांसफर नहीं कर रहा है। वहीं सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। सीजेआई ने दिल्ली सरकार से कहा है कि वो अगले हफ्ते बेंच का गठन करेंगे। उल्लेखनीय है कि बीते 11 मई को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि अधिकारियों की पोस्टिंग व ट्रांसफर का अधिकार दिल्ली सरकार के पास होगा। इसके बाद केजरीवाल सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अपने विभाग के सचिव को बदल दिया है। दिल्ली सरकार के सर्विसेज विभाग के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सचिव को बदलने का आदेश जारी कर दिया है। इसमें आशीष मोरे को सर्विसेज सचिव पद से हटाया गया। उनकी जगह पर अनिल कुमार सिंह सर्विसेज के नए सचिव बनाए गए हैं। वह 1995 के आईएएस अधिकारी हैं और जल बोर्ड के सीईओ भी रह चुके हैं। ट्रांसफर के मुद्दे पर एक बार फिर दिल्ली में टकराव देखने को मिला। यह टकराव उस वक्त सामने आया, जब उससे कुछ देर पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने आदेश जारी किया था।

अमृतसर में 5 दिन में हुए सिलसिलेवार 3 धमाके, स्व-कट्टरपंथी मॉड्यूल की जांच करेगी पुलिस

- अमृतपाल की गिरफ्तारी के बाद ही हुए विस्फोट

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने राज्य में पिछले साल पटियाला में हुई हिंसा से लेकर वारिस पंजाब डे के प्रमुख अमृतपाल सिंह के उभरने और हाल ही में स्वर्ण मंदिर में तीन कम तीव्रता वाले तीन विस्फोटों वाली घटना देखी। अमृतसर में यहां तक कि विपक्ष कानून और व्यवस्था की स्थिति को संभालने में असमर्थ होने के लिए सरकार पर निशाना साधता रहा।

आप के मुख्य प्रवक्ता मालविंदर सिंह कंग ने कहा कि निश्चित रूप से कोई गहरी साजिश है और विवरण बहुत जल्द स्पष्ट हो जाएगा। मैं इस समय किसी को दोष नहीं देना चाहता, लेकिन जरूर कोई साजिश है। पटियाला की हिंसा हो, देवी तालाब मंदिर की हिंसा हो, अमृतपाल का घटनास्थल पर आना, उसकी गतिविधियां और उसकी गिरफ्तारी के तुरंत बाद सिलसिलेवार धमाके होना।

डीजीपी गौरव यादव पहले ही संकेत दे चुके हैं। पुलिस अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में हुए विस्फोटों के आरोपियों से पूछताछ करेगी और हम सभी को पता चल जाएगा। पंजाब पुलिस ने इससे पहले दिन में स्वर्ण मंदिर के पास कम तीव्रता वाले विस्फोटों के सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। ताजा विस्फोट बुधवार आधी रात को गुरु राम दास इन बिल्डिंग के पीछे, स्वर्ण मंदिर के आसपास के मार्ग और पार्क गलियारा में हुआ। 6 मई को धर्मस्थल के पास एक हेरिटेज स्ट्रीट पर एक कम तीव्रता का विस्फोट हुआ था। दूसरा विस्फोट पहले विस्फोट के 30 घंटे से भी कम समय में उसी क्षेत्र में हुआ था। यादव ने कहा कि विस्फोटों के पीछे के मकसद का अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि हम जांच करेंगे कि क्या गिरफ्तार आरोपी स्व-कट्टरपंथी मॉड्यूल का हिस्सा हैं या किसी अन्य व्यक्ति के इशारे पर काम करते हैं।

नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने सरकार को घेरने की कोशिश की थी। यहां तक कि विस्फोट भी आप सरकार को गहरी नींद से नहीं जगा सके। मुख्यमंत्री को बताना चाहिए कि शनिवार की रात हुए पहले विस्फोट के बाद दरबार साहिब के आसपास सुरक्षा क्यों नहीं बढ़ाई गई। पुलिस को शक है कि यह एक आईईडी विस्फोट था। बिगड़ती कानून व्यवस्था के प्रति सीएम की प्राथमिकताओं का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 1200 सुरक्षा गार्ड उनकी और उनके परिवार की सुरक्षा कर रहे हैं, जबकि 2500 पुलिस कर्मी जालंधर जिले की 25 लाख आबादी की रक्षा कर रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता अर्शप्रीत खडियाल ने कहा कि आप अनुभवहीन है। राज्य में कोई कानून और व्यवस्था नहीं है। उन्हें इन विस्फोटों की जांच का आदेश देने से कौन रोक रहा है।

आरसीपी का भाजपा में शामिल होना साबित करता है कि वह उनके एजेंट थे: जदयू

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह के भाजपा एजेंट बनने का उनका आरोप भगवा पार्टी में उनके शामिल होने से सही साबित हुआ है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने नौकरशाह से राजनेता बने आरसीपी सिंह के दिल्ली में भाजपा में शामिल होने के एक दिन बाद प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ''हमारे शीर्ष नेता नीतीश कुमार ने आरसीपी सिंह को ऊंचा स्थान देने के लिए पार्टी अध्यक्ष पद का त्याग कर दिया था, लेकिन वह भाजपा के एजेंट बन गए और उनके एजेंडे पर काम करना शुरू कर दिया।

जिस बात का हमें हमेशा से अंदेशा था अब उसकी पुष्टि हो गई है''। उल्लेखनीय है कि आरसीपी सिंह 2021 में नीतीश कुमार की सहमति के बिना केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने को स्वीकार कर लिया था, जबकि जदयू मंत्रिमंडल में केवल एक सीट के सांकेतिक प्रतिनिधित्व के विरूद्ध थी। जदयू के शीर्ष नेता नीतीश ने कुछ ही महीनों बाद आरसीपी सिंह को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हटाकर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। ललन ने यह भी कहा, ''आरसीपी सिंह अपनी ही पार्टी पर नीतीश कुमार की पकड़ को कमजोर करने की दिशा में काम कर रहे थे। बिहार में भाजपा की मदद से वही करने की योजना थी, जो पहले महाराष्ट्र में किया गया था।'' यह अनुमान लगाया गया था कि आरसीपी सिंह पार्टी में फूट डालने के लिए जद (यू) नेताओं के एक वर्ग के संपर्क में थे, जो कुमार के लिए नुकसान का कारण होता।

जदयू प्रमुख ने कहा, ''उद्धव ठाकरे पहले ही कह चुके हैं कि उन्होंने नैतिक आधार पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में अपना इस्तीफा दे दिया था। अब हमें देखना चाहिए कि क्या एकनाथ शिंदे में ऐसा करने का नैतिक साहस है।'' ललन ने कहा, ''केंद्र निर्वाचित सरकार के लिए समस्याएं पैदा करने के लिए स्वयं द्वारा नियुक्त उपराज्यपाल का उपयोग कर रहा था''।

जदयू प्रमुख ने एक स्पष्ट संदर्भ में कहा कि दोनों निर्णय देश में लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कायम रखने वाली न्यायपालिका का एक रौशन हैं और सत्तारूढ़ व्यवस्था के अपने ''तोते'' (सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियां और मोदी सरकार द्वारा उनका कथित दुरुपयोग) की मदद से शो चलाने के प्रयासों को विफल करते हैं। जदयू प्रमुख ने कहा,

''2024 आने दें। भाजपा जिस राह चल रही है, कर्नाटक में टोन सेट कर दिया गया है, जहां हम एग्जिट पोल के अनुसार भाजपा की बड़ी हार की उम्मीद कर रहे हैं। यह तब होगा जब पार्टी हर हथकंडा अपना रही है और यहां तक कि प्रधानमंत्री खुद खुले तौर पर सांप्रदायिक अभियान चला रहे हैं।

कैलिफोर्निया प्रांत में जाति आधारित भेदभाव पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक पारित

–एक के मुकाबले 34 मतों से पारित किया गया विधेयक

कैलिफोर्निया । अमेरिका में कैलिफोर्निया स्टेट सीनेट ने जाति आधारित भेदभाव पर प्रतिबंध लगाने के वास्ते बृहस्पतिवार को एक विधेयक पारित किया। इस विधेयक को एक के मुकाबले 34 मतों से पारित किया गया। इससे कैलिफोर्निया अमेरिका का पहला प्रांत बन जाएगा, जो अपने भेदभावरोधी विधेयकों में जाति की श्रेणी भी जोड़ेगा। इस विधेयक को पेश करने वाले लोगों ने बताया कि राज्य की प्रतिनिधि सभा में भी ऐसा ही एक विधेयक पेश किया जा रहा है, जिसके बाद इसे कानून का रूप देने के लिए गवर्नर के पास हस्ताक्षर के वास्ते भेजा जाएगा। कैलिफोर्निया की सीनेटर आयशा वहाब द्वारा पेश किया विधेयक 'एसबी 403' एक मौजूदा कानून में जाति को संरक्षित श्रेणी के रूप में जोड़ता है। यह कानून कैलिफोर्निया प्रांत के सभी लोगों को सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में रहने, लाभ, सुविधाओं, विशेषाधिकारों या सेवाओं में एक समान अधिकार देता है। सीएटल काउंसिल की सदस्य क्षमा सावंत ने कैलिफोर्निया स्टेट सीनेट द्वारा एसबी-403 पारित करने का स्वागत किया। सावंत की सीएटल में जातिगत भेदभावरोधी कानून पारित करने में अहम भूमिका है।

भारी कर्ज में डूबा अमेरिका, डिफाल्ट होने का खतरा मंडराया

वाशिंगटन । अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कहा कि अमेरिकी सरकार के 31.46 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज चुकाने में डिफॉल्ट करने से दुनिया भर में आर्थिक संकट पैदा हो सकता है। अमेरिकी ट्रेजरी चीफ येलेन ने कांग्रेस से 31.4 ट्रिलियन डॉलर की फेडरल कर्ज सीमा बढ़ाने और एक अभूतपूर्व डिफॉल्ट को टालने की अपील की। येलेन ने कहा कि अगर ऐसा नहीं हो सका तब दुनिया भर में आर्थिक मंदी का खतरा तो होगा ही अमेरिकी की दुनिया भर में इकोनॉमिक लीडरशिप भी कमजोर होने का जोखिम बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा। येलेन ने सात देशों के समूह- जी-7 के साथ-साथ भारत, इंडोनेशिया और ब्राजील के वित्त मंत्रियों के साथ जापान में बैठक से पहले कड़ी चेतावनियों को जारी किया। येलेन ने कहा कि कर्ज चुकाने में डिफॉल्ट से उन लाभ के खत्म होने का खतरा होगा जो पिछले कुछ साल में महामारी से उबरने के लिए कड़ी मेहनत करके हासिल किए गए। साथ ही यह एक वैश्विक मंदी को बढ़ावा देगा जो अमेरिका को और पीछे ले जाएगा। इससे देश के राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों पर भी जोखिम बढ़ेगा। येलेन ने कहा कि इस मुद्दे पर रिपब्लिकन पार्टी के असहयोग से संकट खड़ा हुआ है। डिफॉल्ट के खतरे से अमेरिकी सरकार की क्रेडिट रेटिंग में गिरावट आ सकती है। जैसा कि 2011 में कर्ज सीमा बढ़ाने के झगड़े के दौरान हुआ था। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने पहले ही कहा था कि सरकार के बिलों को चुकाने के लिए ट्रेजरी से पैसे खत्म होने से पहले कांग्रेस ने अगर कर्ज सीमा बढ़ाने को मंजूरी नहीं दी तब 1 जून से अमेरिकी इकोनॉमी के मंदी में फंसने का जोखिम है।

यूक्रेन को लंबी दूरी की स्टॉर्म शैडो' मिसाइलें दान दे रहा ब्रिटेन

लंदन । ब्रिटेन ने पुष्टि की कि वह रूसी हमले के खिलाफ यूक्रेन की मदद के लिए लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलें भेज रहा है। ब्रिटिश रक्षा मंत्री बेन वालेस के मुताबिक, ब्रिटेन यूक्रेन को 'स्टॉर्म शैडो' मिसाइलें 'दान' दे रहा है। 'स्टॉर्म शैडो में लंबी दूरी तक लक्ष्य को भेदने की क्षमता है और इसकी मारक क्षमता 250 किलोमीटर से ज्यादा है। इन मिसाइलों को विमान से दागा जा सकता है। ब्रिटेन ने कहा कि इन मिसाइलों की आपूर्ति से यूक्रेन को अपने क्षेत्रों से रूसी सेना को पीछे धकेलने में मदद मिलेगी। रक्षा मंत्री वालेस ने कहा, आज, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि ब्रिटेन ने यूक्रेन को 'स्टॉर्म शैडो' मिसाइलें दान की हैं। उन्होंने कहा, इन हथियार प्रणालियों का दान यूक्रेन को रूस की निरंतर क्रूरता के खिलाफ खुद को बचाने का सबसे अच्छा मौका देगा। खासकर, यूक्रेन के असैन्य अवसंरचना को जानबूझकर निशाना बनाने के खिलाफ, जो अंततराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। वालेस ने कहा, यूक्रेन को इसके (हमले के) खिलाफ अपना बचाव करने का अधिकार है। स्टॉर्म शैडो का उपयोग कर यूक्रेन अपने संप्रभु क्षेत्र से रूसी सेना को पीछे धकेलेगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की देश में पिछले साल संघर्ष शुरू होने के बाद से ही इसतरह के हथियारों की मांग कर रहे थे लेकिन उनके अंतरराष्ट्रीय समर्थक लंबी दूरी के हथियार उन्हें प्रदान करने में संकोच कर रहे थे। उन्हें लग रहा था कि इससे कटुता बढ़ सकती है। लेकिन वालेस ने कहा कि प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने फैसला इसलिए लिया, क्योंकि रूस जानबूझकर असैन्य अवसंरचना को निशाना बना रहा है। वालेस ने कहा, इस साल, रूसी नेतृत्व ने बमों, मिसाइलों और ड्रोनों के जरिए नागरिकों और असैन्य बुनियादी ढांचे को व्यवस्थित रूप से निशाना बनाना जारी रखा है।

जर्मनी में एक रिहाइशी इमारत में धमाके से एक दर्जन लोग घायल

बर्लिन । पश्चिमी जर्मनी में एक रिहाइशी इमारत में हुए धमाके में कम से कम एक दर्जन लोग घायल हुए हैं, जिसमें से कुछ की हालत गंभीर है। नार्थ राइन वेस्टफेलिया के आंतरिक मामलों के मंत्री हेबर्ट रायल ने बताया कि रांटिंगन स्थित बहुमंजिला इमारत में हुए धमाके में 10 दमकल कर्मी और दो पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं। रायल ने बताया कि दो निवासियों की संदिग्ध गतिविधियों की सुबह सूचना मिली थी जिसके बाद दमकल कर्मी व पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने अपार्टमेंट का जबरन दरवाजा खोला, तब एक व्यक्ति ने अज्ञात वस्तु का इस्तेमाल कर धमाका कर दिया। घटनास्थल की तस्वीरों में दिख रहा है कि पुलिस के निशानेबाज सड़क की दूसरी ओर मौजूद बिल्डिंग की बालकनी में तैनात हैं और इमारत की ऊपरी मंजिल से धुंआ निकल रहा है। पुलिस ने कहा कि कार्रवाई जारी है और तत्काल विस्तृत जानकारी नहीं दे सकते हैं।

अमेरिका में कोविड-19 सार्वजनिक आपातकाल खत्म

– वैश्विक महामारी के खिलाफ देश की लड़ाई में एक बड़ा बदलाव

लॉस एंजेलिस । अमेरिकी कोविड-19 सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचई) गुरुवार को खत्म हो गया, जो वैश्विक महामारी के खिलाफ देश की लड़ाई में एक बड़ा बदलाव है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पीएचई की घोषणा तत्कालीन अमेरिकी स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव एलेक्स अजार ने जनवरी 2020 में अस्थायी उपायों को लागू करने और महामारी को बेहतर ढंग से रोकने के लिए संसाधन आवंटित करने के लिए की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वर्ष 2021 में कार्यभार संभालने के बाद से बार-बार आपातकाल को बढ़ाया। आपातकाल को समाप्त करने का बाइडेन प्रशासन का निर्णय कोविड-19 से होने वाली मौतों के रूप में आया है और टीकों की उपलब्धता, एंटीवायरल उपचार और वायरस के व्यापक जोखिम के कारण अस्पतालों में नाटकीय रूप से गिरावट आई है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के आंकड़ों के अनुसार महामारी ने कम से कम 6 मिलियन अस्पताल में भर्ती होने और संयुक्त राज्य में 1.1 मिलियन लोगों की मृत्यु का दावा किया। पीएचई की समाप्ति देश में वायरस के प्रति प्रतिक्रिया के तरीके में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी। सीडीसी वायरस को ट्रैक करने के अपने प्रयासों को कम करेगा। अधिकांश उपकरण, जैसे टीके, उपचार और परीक्षण, उपलब्ध रहेंगे, लेकिन कुछ उपकरण, जैसे कुछ डेटा स्रोत और रिपोर्टिंग, बदल जाएंगे। बाइडेन प्रशासन ने गुरुवार को संघीय कर्मचारियों, संघीय ठेकेदारों और अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रियों के लिए कोविड-19 वैक्सीन की जरूरत को भी खत्म कर दिया। जबकि सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस बात से सहमत हैं कि देश के पास आज कोविड-19 से लड़ने के लिए कई और उपकरण हैं, वे चेतावनी देते हैं कि वायरस देश की पस्त स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के लिए लगातार खतरा बना रहेगा।

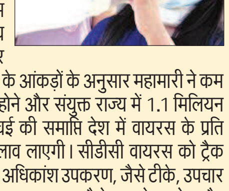

इजरायल ने फिलिस्तीनी राकेटों को रोकने एंटी मिसाल सिस्टम से दागी मिसाइलें।

इजराइली सेना ने गाजा पट्टी में दो आतंकी कमांडर को मार गिराया

जेरुसलम । इजराइली हवाई हमले में बृहस्पतिवार को गाजा पट्टी में दो और आतंकी कमांडर मारे गए और इसके साथ ही हालिया संघर्ष में अब तक फलस्तीनी पक्ष के 26 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, फलस्तीन की तरफ से दागे गए रॉकेट से इजराइल में 70 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए। ताजा संघर्ष में किसी इजराइली नागरिक की मौत का यह पहला मामला है। वहीं, मिस्र द्वारा संघर्षविराम के प्रयासों के बीच गाजा की ओर से दक्षिणी इजराइल में रॉकेट दागे जाना जारी रहा। गाजा में इजराइल और फलस्तीनी आतंकियों के बीच पिछले कुछ महीनों में यह सबसे भीषण लड़ाई साबित हुई है। इजराइली सेना ने बृहस्पतिवार तड़के आतंकवादी समूह 'इस्लामिक जिहाद' के खिलाफ हमले किए। सेना ने कहा कि हवाई हमले में आतंकी समूह के एक वरिष्ठ कमांडर अली घाली को मार गिराया गया। इजराइली हमले में उस अपार्टमेंट को निशाना बनाया गया, जिसमें अली रहता था। इसके कुछ देर बाद इजराइली सेना ने समूह के एक और कमांडर को मार गिराने की जानकारी साझा की। समूह 'इस्लामिक जिहाद' ने मारे गए दूसरे कमांडर की पहचान अहमद अबु दक्का के रूप में की है। सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हागरी ने इजराइली मीडिया को बताया कि हमले में दो अन्य आतंकवादी भी मारे गए हैं। हालांकि, किसी संगठन ने मारे गए दो लोगों के अपना सदस्य होने का दावा नहीं किया है। यह हमला दक्षिणी गाजा पट्टी के एक रिहायशी इलाके की इमारत के सबसे ऊपरी तल को निशाना बनाकर किया गया। हमले से निवासियों में दहशत फैल गई और सड़कों पर कांच के टुकड़े और मलबा बिखरा दिखाई दिया।

इमरान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत, सभी मामलों में दो हफ्ते की जमानत

– इमरान ने कहा...असीम मुनीर मुझसे डरते हैं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में गृहयुद्ध जैसे हालात के बीच पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बहुत बड़ी राहत मिल गई है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट से अलकादिर केस सहित सभी मामलों में दो हफ्ते के लिए जमानत मिल गई है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि 17 मई तक इमरान की किसी भी नए मामले में गिरफ्तारी नहीं होगी। इसके पहले इमरान ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को खुलेआम चेतावनी देकर कहा कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुझसे डरते हैं। देशभर में हिंसा के लिए जनरल मुनीर जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि यह गिरफ्तारी नहीं बल्कि अपहरण है। इमरान ने चेतावनी दी कि अगर उन्हें फिर से गिरफ्तार किया गया, तब देशभर में तबाही आएगी।

अदालत के फैसले के बाद अब पीएम शहबाज शरीफ कैबिनेट की बैठक कर रहे हैं और देश के ताजा हालात पर चर्चा कर रहे हैं। पूरे पाकिस्तान में इमरान खान समर्थकों के भारी हिंसा के बाद पीटीआई नेता का उत्साह कई गुना बढ़ाता दिख रहा है। इमरान ने कहा कि मुझे 100 फीसदी भरोसा है, कि गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब की पुलिस मुझे गिरफ्तार करने के लिए बाहर खड़ी है। इमरान ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी अपहरण है। यह जंगल का कानून है। इस बीच पंजाब सूबे में दर्ज कई मामलों के सिलसिले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान को गिरफ्तार करने के लिए लाहौर पुलिस की एक टीम राजधानी इस्लामाबाद के लिए रवाना हो गई है।

खबर के मुताबिक, लाहौर पुलिस की टीम का नेतृत्व उप महानिरीक्षक (अन्वेषण) कर रहे हैं। खबर के मुताबिक, इमरान खान के खिलाफ दर्ज मामलों की जांच कर रही संयुक्त टीम ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय को सूचित किया है कि वह पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के अध्यक्ष खान को गिरफ्तार करना चाहती है। पिछले साल अप्रैल में सत्ता से हटाए गए खान के खिलाफ देशद्रोह, ईशनिंदा, हिंसा भड़काने और आतंकवाद सहित 121 मामले पूरे देश में दर्ज हैं।

इमरान के खिलाफ आतंकवाद के 12 मामले सिर्फ लाहौर में दर्ज में हैं जबकि 14 अन्य मामले फैसलाबाद में पंजीकृत हैं। इस बीच, 70 वर्षीय खान को कड़ी सुरक्षा के बीच भ्रष्टाचार के एक मामले में उनके द्वारा दाखिल जमानत अर्जी पर सुनवाई के लिए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय की विशेष पीठ के समक्ष पेश किया गया। उच्च न्यायालय की विशेष पीठ में न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब और न्यायमूर्ति समन रफात इम्तियाज शामिल हैं।

इसके पहले, खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने एक संदेश में अपने समर्थकों से सुबह 10 बजे खान के भाषण के लिए जी-13 इलाके में पहुंचने को कहा जो उच्च न्यायालय परिसर से ज्यादा दूर नहीं है। इसमें कहा गया है कि पार्टी के नेता अदालत में पेश होने से पहले भाषण दे सकते हैं क्योंकि उन्हें उच्च न्यायालय से राहत मिलने का भरोसा नहीं है।

पांच साल पुरानी दुश्मनी को बदला इमरान से ले रहे जनरल असीम मुनीर

– मुनीर ने बुशरा बीबी का भ्रष्टाचार उजागर किया था

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर भ्रष्टाचार से लेकर आतंकवाद तक के तमाम आरोप लगाकर उन्हें जेल भेजा गया, उनकी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पूरे पाकिस्तान की सड़कों और सेना के अधिकारियों के घरों और दफ्तरों पर हंगामा किया। यह सब देखकर प्रश्न खड़ा होता है कि आखिरकर कुछ समय पहले तक पाकिस्तानी सेना और आईएसआई के सबसे प्रिय नेता रहे इमरान के संबंध सेना और आईएसआई से क्यों बिगड़ गए? ऐसा क्या हो गया कि सेना-आईएसआई और इमरान एक दूसरे पर सार्वजनिक रूप से आरोप-प्रत्यारोप करने लगे? सवाल उठा कि पाकिस्तान सरकार को ऐसी क्या जल्दबाजी हो गई थी कि कोर्ट में पेश होने पहुंचे इमरान को गर्दन पकड़ कर गिरफ्तार करवाया गया? इन सवालों के जवाब उस ऑडियो टेप ने दे दिये हैं जो इस समय पाकिस्तान में वायरल हो रहा है। इस टेप ने खुलासा कर दिया है कि पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष और इमरान के बीच दुश्मनी की वजह क्या है?

बता दें कि जनरल असीम मुनीर पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष बनने से पहले पाकिस्तान की कुख्यात जासूसी एजेंसी, इंटर-सर्विस इंटेलिजेंस के सबसे कम समय तक सेवारत प्रमुख थे। उन्हें अक्टूबर 2018 में तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने आईएसआई प्रमुख नियुक्त किया था। लेकिन आठ महीने बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान के जोर देने पर उनकी जगह लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद को आईएसआई का प्रमुख बनाया गया। आईएसआई प्रमुख के पद से असीम मुनीर को क्यों हटाया गया, इस लेकर तब किसी सवाल का जवाब नहीं दिया गया था मगर अब इमरान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के पूर्व नेता अलीम खान के एक कथित ऑडियो क्लिप ने रहस्य का पर्दाफाश कर दिया है। इसमें उन्होंने दावा किया था कि असीम मुनीर ने आईएसआई चीफ रहते हुए इमरान की पत्नी बुशरा बीबी के भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया था। इसकारण इमरान ने दबाव बनाकर उन्हें आईएसआई चीफ से हटा दिया था। इसकारण माना जा रहा है, कि पांच साल पुरानी दुश्मनी का बदला मुनीर इमरान खान से अब ले रहे हैं।

विदेश मंत्री छ्वङ्कद्गह्यद्धङ्कठ्ठद्मड्डह्म ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की

ढाका। (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यहां बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की तथा विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के स्तर पर संतोष व्यक्त किया। जयशंकर 'हिंद महासागर सम्मेलन' के छठे संस्करण में भाग लेने के लिए बांग्लादेश पहुंचे। सम्मेलन के दौरान क्षेत्रीय सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने हसीना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुभकामनाएं भी प्रेषित कीं। जयशंकर ने ट्वीट किया,''बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुभकामनाएं उन्हें प्रषित कीं। हमारे नेताओं का मार्गदर्शन तथा दृष्टिकोण भारत-बांग्लदेश की मैत्री को मजबूत बना रहा है।''

प्रधानमंत्री हसीना के प्रेस सचिव एहसानुल करीम ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की और बातचीत के दौरान उन दोनों ने ''विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के स्तर पर संतोष व्यक्त किया।'' करीम ने कहा कि विदेश मंत्री ने कोविड से उबरने के बाद की दुनिया तथा यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के बारे मेंभी प्रधानमंत्री से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई की भारत विकासशील देशों तथा सबसे कम विकासित देश (एलडीसी) के लोगों के हितों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इंडिया फाउंडेशन ने बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के सहयोग से सम्मेलन के छठे संस्करण का आयोजन किया है, जिसकी थीम ''शांति, समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य के लिए साझेदारी'' है।

सिडनी के ब्लैकटाउन सिटी में नहीं होगा खालिस्तान जनमत संग्रह

– ऑस्ट्रेलिया प्रशासन ने कैंसिल की परमिशन

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में सिख फॉर जस्टिस के जनमत संग्रह कार्यक्रम को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने सिडनी के ब्लैकटाउन सिटी में होने वाले खालिस्तानियों के जनमत संग्रह कार्यक्रम को रद्द करने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सिडनी में एसएफजे द्वारा प्रस्तावित जनमत संग्रह मूल रूप से ब्लैकटाउन लीजर सेंटर स्टैनहोप में होने वाला था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने कर्मचारियों, लोगों की सुरक्षा और काउंसिल की संपत्ति की सुरक्षा को लेकर इस कार्यक्रम को रद्द कर दिया है।

ब्लैकटाउन सिटी काउंसिल के प्रवक्ता ने मीडिया को बताया कि काउंसिल ने शुक्रवार को सुबह इस बुकिंग को रद्द कर दिया है, क्योंकि यह लागू काउंसिल पॉलिसी के खिलाफ है। काउंसिल कर्मचारियों, परिषद की संपत्ति और आम लोगों की सुरक्षा को लेकर कोई जोखिम नहीं उठा सकती है। अरविंद गौड़ की ओर से परिषद को एसएफजे से संबंधित कार्यक्रम की शिकायत की गई थी। गौड़ ने सिख फॉर जस्टिस प्रचार कार्यक्रम द्वारा पोस्टर और बैनर के माध्यम से आतंकवादियों की प्रशंसा किए जाने की शिकायत की थी। गौड़ ने मीडिया को बताया कि उन्हें परिषद की सीईओ केरी रॉबिन्सन से एक जवाब मिला है, जिसमें बताया गया है कि परिषद के अधिकारियों द्वारा अनधिकृत बैनर और पोस्टर हटाए जा रहे हैं और उन्होंने एनएसडब्ल्यू पुलिस से सलाह मांगी है। रॉबिंसन कहती हैं कि हम शहर के चारों ओर सार्वजनिक संपत्ति पर लगे बैनर और पोस्टर हटा रहे हैं, क्योंकि ये हमारी स्वीकृति के बिना लगाए गए हैं।

मीडिया के अनुसार एनएसडब्ल्यू पुलिस, एएसआईओ, एएफपी और डीएफएटी ने खालिस्तान प्रचार कार्यक्रम के लिए दी गई अनुमति को वापस ले लिया है। यह भी बताया गया है कि विक्टोरिया में रजिस्टर्ड 'सिख फॉर जस्टिस प्राइवेट लिमिटेड' को लेकर जांच भी चल रही है। इस मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि हम बेहिसाब पैसे के लेन-देन के संबंध में जांच कर रहे हैं।

इस सप्ताह की शुरुआत में खालिस्तान समर्थकों द्वारा स्वामीनारायण मंदिर रोजहिल पर हिंदू विरोधी बर्बरतापूर्ण हमला भी किया गया था। हिंदू, इस्लामिक और सिख धार्मिक नेताओं ने हमले की निंदा की और अधिकारियों से अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आह्वान किया।

ब्लैकटाउन सिटी काउंसिल के एक प्रवक्ता ने मीडिया को बताया कि काउंसिल का निर्णय किसी भी तरह से भारत या पाकिस्तान के आंतरिक मामलों से संबंधित किसी भी राजनीतिक स्थिति का समर्थन या आलोचना नहीं है और इसे किसी विशेष राजनीतिक स्थिति के समर्थन के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने ब्लैकटाउन सिटी काउंसिल के इस फैसले पर खुशी जताई है। आरपी सिंह ने ट्वीट किया कि मैं खालिस्तान जनमत संग्रह कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाने के लिए ब्लैकटाउन नगर परिषद, सिडनी के फैसले का स्वागत करता हूं। मुझे आशा है कि ऑस्ट्रेलिया की अन्य नगर परिषदें भी इसका पालन करेंगी।

चीफ जस्टिस पद छोड़कर अपनी सास की तरह पीटीआई में शामिल हो जाएं : मरियम नवाज

–इमरान की गिरफ्तारी को रद्द करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले से चीफ जस्टिस पर भड़कीं मरियम

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की मुख्य संयोजक मरियम नवाज गुरुवार को इमरान खान की गिरफ्तारी को रद्द करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले से चीफ जस्टिस पर भड़क गई हैं। मरियम ने कहा है कि आपको मुख्य न्यायाधीश का पद छोड़कर अपनी सास की तरह तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) में शामिल हो जाना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मरियम ने एक ट्वीट में यह बयान शीर्ष अदालत द्वारा इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के परिसर से इमरान खान की गिरफ्तारी को अवैध करार देते हुए रिहा करने के आदेश के ठीक बाद दिया है। मरियम ने ट्वीट किया कि चीफ जस्टिस को आज कौमी खजाने के 60 अरब हड़प करने वाली घटना को देखकर बहुत खुशी हुई और उन्हें इस अपराधी को रिहा करने से भी ज्यादा खुशी हुई। देश की सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील संस्थाओं पर हमलों के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार चीफ जस्टिस हैं, जो अशांति की ढाल बन गए हैं और देश में आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। आपको मुख्य न्यायाधीश का पद छोड़कर अपनी सास की तरह तहरीक-ए-इंसाफ में शामिल होना चाहिए। मीडिया के अनुसार पीएमएल-एन नेता ने सीजेपी उमर अता बंदियाल को अपने पद से इस्तीफा देने और अपनी सास की तरह पीटीआई में शामिल होने की सलाह दी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इससे पहले गुरुवार को सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने खान को राहत प्रदान करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की निंदा की थी। मरियम औरंगजेब ने कहा कि एससी एक अपराधी, एक आतंकवादी, एक गैंगस्टर को राहत दे रहा है जो सशस्त्र समूहों का नेतृत्व करता है।

संपादकीय

सुधरे व्यक्ति

समाज व्यक्ति से गुरुदेव तुलसी के गीत की यह लाईन मुझे सहज ही कितनी बार स्मृति पटल पर आ जाती है कि सुधरे व्यक्ति समाज व्यक्ति से राष्ट्र स्वयं सुधरेगा । मानो गीत की इस लाईन से गुरुदेव ने गागर में सागर को समाहित कर लिया हैं । कुछ शब्दों में ही जीवन की बहुतबड़ी हमको सिख मिल गयी हैं । प्राचीन काल में घर संसार परिवार का त्याग कर मानव अन्तश्चेतना की गहराई में झाँकता था ।अपनेमानवीय हृदयांगम में उसके करुणा संचारित होती थी। इसलिए उन्हें ऋषी- संत -महात्मा- महर्षि कहते थे।पर आज बिलकुल विपरीतजैसे बाहरी जगत की चकाचौंध में मनुष्य स्वयं को भूल बैठा। अपने भीतर की परख छोड़कर बहिर्जगत में देखना शुरू कर दिया घरसंसार परिवार त्याग आज दुनिया को बदलने की धुन में खुद को बादशाह समझ रहा हैं ।यही संसार की रीत हो चली हैं ।हर व्यक्तिअपने पिछले कर्मों के अनुसार स्वर्ग या नरक भोगता है। काम, क्रोध,मान,माया, लोभ ही नरक के दरवाजे हैं । काम मतलब किसी भीप्रकार की इच्छा या आसक्ति पूरी हो तो क्षणिक सुख मिलता है और फिर शुरू हो जाती है दुसरी और इच्छाएं। पुरी नहीं हुई तो विषादसे भर जाते हैं । इसी प्रकार क्रोध ,लोभ ,मोह ,माया आदि जीवन में हो तो मरते दम तक अशांति रहती हैं जिसके फलस्वरूप हम नीचेलोक में जाते हैं। प्रसन्न होकर, शांति से ,प्रेम भाव से, अच्छे कर्म करके जाएं तो ऊंचे लोक में जाते हैं इसलिए जरूरी है कि अच्छे कर्मकरें । औरों को सुख दें ,सबके हित में रत रहें। हम जैसा कर्म करेंगे वैसा फल पाएंगे। अभी भी बाद में भी। स्वर्ग भी यहीं हैं ,नरक भी यहींहैं ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

गणित का डर

(लेखक - विजय गर्ग)

बहुत से लोग स्कूल में और स्कूल के बाहर भी गणित का आनंद लेते हैं। हममें से कुछ लोग गणित की भाषा का प्रयोग शायद आराम से करेंगे। बहुत से माता-पिता बच्चों को कम उम्र में गिनती की संख्या और साधारण भिन्न जैसी बुनियादी अवधारणाओं को समझना सिखाएंगे। बहुत से बच्चे किसी भी चीज़ की तरह गणित का आनंद लेते हैं। और कुछ को तब समस्या होती है जब गणित जटिल भिन्नों में स्नातक हो जाता है। लेकिन दुर्भाग्य से, आबादी के एक बड़े वर्ग ने स्कूली गणित को इतना भ्रमित करने वाला और इतना परेशान करने वाला पाया, कि वे किसी भी दूरस्थ गणित से बचते हैं। हालांकि गणित का डर किसी को भी प्रभावित कर सकता है, एक निश्चित शोध में पाया गया कि विशेष रूप से महिलाएं और रंग के लोग गणित छोड़ देते हैं या करियर से बाहर हो जाते हैं जिसमें कम से कम गणित करना पड़ता है, जैसे कि अनिवार्य गणित या सांख्यिकी पाठ्यक्रम विज्ञान, चिकित्सा, वाणिज्य और यहां तक कि सामाजिक विज्ञान में भी। गणित को अक्सर एक समस्या क्षेत्र के रूप में व्यापक रूप से पहचाना जाता है। भारत के कई हिस्सों में मैट्रिक में सबसे ज्यादा फेल होने वाले लोग गणित में हैं। और मैट्रिक के लिए गणित अनिवार्य है। परिणामस्वरूप, शैक्षिक प्रणाली में प्रवेश करने वाले प्रत्येक बच्चे को मैट्रिक स्तर तक इसका अध्ययन करना पड़ता है। गणित क्या है? सीधे शब्दों में कहें तो गणित एक अनुशासन है जो मात्रा और आकार और व्यवस्था के तर्क से संबंधित है। इसके अलावा, यह दुनिया की अंतर्निहित संरचना है, जिसे हम पैटर्न, आकार, मात्रा और बुद्धिमान अनुमानों में देखते हैं। गणित को जब कक्षा में या किसी पाठ्यपुस्तक में प्रस्तुत किया जाता है, तो यह अक्सर एक औपचारिक, सटीक और अनुशासित चरण-दर-चरण प्रगति के साथ एक तार्किक निष्कर्ष पर पहुँचता है। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार, ये पूरी तरह से कृत्रिम, जटिल तरीके हैं जो छात्रों को बीजगणितीय कोड को लागू करने का अभ्यास कराने के लिए जटिल हैं। उनके कृत्रिम होने का कारण रोजमर्रा के जीवन में वास्तविक समस्याओं को खोजने में कठिनाई है जिसके लिए बीजगणित की आवश्यकता होती है। गणित की आवश्यकता क्यों है? हमें संख्याओं और मात्राओं की अवधारणाओं को समझने की आवश्यकता है क्योंकि हमें अपनी दिनचर्या में इसकी आवश्यकता होती है। हमारा जीवन समय से संचालित होता है और समय को समझने के लिए हमें गणित की आवश्यकता होती है। गणित हमारे चारों ओर है। हम कला और संगीत में पैटर्न देखते हैं। व्यवसायों को बुद्धिमान अनुमान लगाने या अनुमान लगाने की आवश्यकता है कि कितना कुछ खर्च होने वाला है, कितने लोगों को अपने उत्पादों की आवश्यकता है, यह कितनी तेजी से बेचने जा रहा है। हमें अपने बैंक खातों पर नज़र रखने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हम अपनी आय से अधिक खर्च न करें। हमारी गतिविधियाँ जैसे केक बनाना, कमरे को सजाना आदि मात्रा और समय पर आधारित होती हैं जिसके लिए फिर से गणित की आवश्यकता होती है। गणित से डरने के क्या कारण हैं? इनहेरिटेड विशेषता- एक अवलोकन में, छात्रों ने अधिक जटिल अवधारणाओं और कौशलों को आत्मसात किया, जिनका वे दैनिक जीवन में उपयोग करते थे और साथ ही साथ वे अपेक्षाकृत सरल अवधारणाओं को आत्मसात करने में विफल रहे, जिनका सामना उन्होंने औपचारिक गणित में किया था। यह स्पष्ट था कि यह बच्चे के घर पर प्राकृतिक तरीके से औपचारिक गणित सीखने के अवसरों के अभाव से संबंधित है। वास्तव में, परिवार और सदस्यों के बीच बातचीत एक बच्चे को गणित को नापसंद करने के लिए तैयार करती है क्योंकि या तो एक या दोनों या परिवार के कुछ सदस्य खुद गणित से नफरत करते हैं। यह गुण बच्चे द्वारा ग्रहण किया जाता है भले ही वह गणित में अच्छा हो। सामुदायिक प्रभाव- हम में से अधिकांश लोग गणित को एक ऐसे विषय के रूप में देखते हैं जो बहुत औपचारिक है, गणना के लिए या उच्च पाठ्यक्रम लेने के लिए इसकी आवश्यकता होती है। यह नकारात्मक ख्याति बच्चों के लिए विषय को शुष्क और उपयोगी बनाती है। हम पड़ोसियों और व्यक्तियों के बीच अन्य संबंधों के बारे में बात करते हैं लेकिन संख्या कार्य को बीच संबंध खोजने के रूप में वर्णित नहीं करते हैंनंबर। समाज में सामाजिक अंत:क्रियाएं बच्चे को सामान्य रूप से गणित का वर्णन करने के लिए बार-बार विभिन्न प्रकार के नकारात्मक विशेषण जैसे शुष्क, कठिन, उबाऊ आदि बताकर गणित को नापसंद करने के लिए तैयार करती हैं। कम आत्मसम्मान- एक छात्र का मस्तिष्क शब्द समस्या का एक उच्च गति वाला माइक्रोसेकंड मूल्यांकन करता है और इसे बकवास घोषित करता है। इसका कोई अर्थ नहीं निकलता है। तब मस्तिष्क एक माध्यमिक मूल्यांकन करता है - शिक्षक और अन्य छात्र सहज होते हैं। वे आश्वस्त प्रतीत होते हैं कि समस्या प्रासंगिक और सार्थक है। मेरे साथ कुछ गलत होना चाहिए। मुझे समझ नहीं आया। मुझे लगता है कि मैं गणित में अच्छा नहीं हूँ। इस कम आत्मसम्मान का कारण बनने वाला एक और मिथक गणित जीन है - कुछ के पास है और अन्य के पास नहीं है। इसलिए, केवल जीनियस ही सूत्रों और समीकरणों को बनाने या समझने में सक्षम हैं उपमाओं का अभाव- उपमाएँ सही मस्तिष्क के लिए खेलती हैं और रोमांचक होती हैं क्योंकि वे किसी भी क्षेत्र में किसी भी अवधारणा के पहले प्रदर्शन में समझ को सक्षम बनाती हैं। उदाहरण के लिए यह प्रश्न है - डायनासोर पृथ्वी पर कितने समय से हैं? बाएं मस्तिष्क का उत्तर 100 मिलियन वर्ष है। छात्र बिना किसी समझ के उत्तर को याद कर सकता है और परीक्षा में पूर्ण अंक प्राप्त कर सकता है। वास्तव में छात्रों को यह बताने के लिए कि डायनासोर पृथ्वी पर कितने समय से हैं, हम इस सादृश्य का उपयोग करते हैं जो सही मस्तिष्क के लिए खेलता है- यदि एक-दिन और रात की उम्र 24 घंटे है, तो डायनासोर यहां एक या दो घंटे के लिए थे और हम इस पर हैं पृथ्वी एक या दो मिनट। यदि एक अमूर्तता को सादृश्य में परिवर्तित किया जा सकता है, तो कोई भी छात्र अनुदेशात्मक गेंद को पकड़ सकता है जब प्रशिक्षक इसे पिच करता है। अधिकांश छात्र इसे पहले प्रदर्शन में बिना याद किए और बिना तनाव के प्राप्त कर सकते हैं। गणित में, प्रिंट में उपमा दुर्लभ हैं और कक्षा में और भी दुर्लभ हैं। उपमाओं की अनुपस्थिति का मतलब है कि छात्र आधे मस्तिष्क का उपयोग करने तक ही सीमित हैं, और आमतौर पर यह गलत आधा है। छात्रों को उनके बाएं मस्तिष्क में कैद करके, हम उन्हें एक के बाद एक अमूर्तता के साथ रहस्यमय बनाते हैं। चूंकि मस्तिष्क के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में लगभग कोई मस्तिष्क स्विचिंग नहीं होती है, इसका परिणाम नकारात्मक मस्तिष्क निर्देश होता है। यह सब गणित के लिए एक समझने योग्य परिहार प्रतिक्रिया पैदा करता है। काल्पनिक भय- छात्रों के पास गणित और गणितज्ञों की जो छवि है वह निश्चित रूप से काल्पनिक है। गणित की पाठ्यपुस्तकें और कक्षाएं गणित के एक समरूप दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती हैं जो किसी भी तरह से खोज कैसे की जाती हैं इसकी रोमांचक कहानियों को प्रदर्शित नहीं करता है। कहानियाँ गणित का रोमांस हैं जो छात्रों को प्रेरित करने के लिए सबसे पहले आनी चाहिए ताकि वे गणित के रहस्यों की खोज जारी रखने के लिए तैयार और उत्सुक हों। गणितज्ञों को कक्षा में प्रदर्शन करते देखने वाले छात्र इस भ्रम से दूर हो जाते हैं कि गणितज्ञ पूर्ण सत्य के सटीक, औपचारिक और सटीक डिस्पेंसर होते हैं। वास्तविकता यह है कि पेशेवर गणितज्ञ सटीक, अनिश्चित खेल खिलाड़ी हैं जो संख्याओं के साथ आकर्षित होते हैं और विकल्प तलाशने में आनंद लेते हैं। लर्निंग डिसऑर्डर- डिसकैलकुलिया एक लर्निंग डिसऑर्डर है जो लगभग 6 प्रतिशत आबादी को प्रभावित करता है। इससे पीड़ित लोगों को संख्या क्रम और यहां तक कि समय बीतने की कल्पना करने में कठिनाई होती है। मस्तिष्क का एक हिस्सा जिसे इंट्रापेरिएटल सिकुलस या आईपीएस कहा जाता है, संख्या प्रसंस्करण के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। आईपीएस यह निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि कितनी चीजों को माना जाता है, इसके विपरीत कितना कुछ है। ऐसे लोगों के लिए दो संख्याओं में से बड़ी संख्या के बीच अंतर करना कठिन हो सकता है। डिसकैलकुलिक्स गिनना सीख सकते हैं, लेकिन जहां ज्यादातर लोग तुरंत बता सकते हैं कि नौ सात से बड़ा हैडिस्केल्कुलिया वाले किसी भी व्यक्ति को सुनिश्चित करने के लिए वस्तुओं को गिनना पड़ सकता है मैथ्स फोबिया पर कैसे काबू पाएं? माता-पिता का मार्गदर्शन- माता-पिता की बच्चे की शिक्षा में बड़ी भूमिका होती है और वे अपने बच्चों को कई तरह से सहायता प्रदान करने का प्रयास करते हैं। अधिकांश माता-पिता को गणित के साथ बच्चे की मदद करना मुश्किल लगता है गणित सीखने और प्रदर्शन में सुधार के लिए अपने बच्चों के इलाज के एक हिस्से के रूप में, माता-पिता को परामर्श की आवश्यकता होती है जो औपचारिक गणित के साथ-साथ औपचारिक गणित में सुधार के उनके दृष्टिकोण और परिप्रेक्ष्य को बदल देगा। गणितीय कौशल। समस्या को हल करने में एक निश्चित समय की आवश्यकता होती है - संयम में हल करने से आपका बच्चा गणितीय रूप से स्वस्थ रहेगा। एक महीने के लिए एक दिन में पांच से दस मिनट की समस्या-समाधान आउटपुट के मामले में तीन दिनों के लिए 2 घंटे से कहीं बेहतर है। या एक दिन में 20 समस्याओं को हल करने से एक सप्ताह तक रोजाना 3 समस्याओं को हल करने की तुलना में कम सीख मिलती है। कार्य पद्धति में इस परिवर्तन की आवश्यकता है। घर और समुदाय के भीतर औपचारिक स्कूली गणित को एकीकृत करने और गणित की धारणा को बेहतर बनाने के प्रयास करने की भी आवश्यकता है ताकि सकारात्मक विशेषणों का उपयोग गणित और गणित की शिक्षा का वर्णन करने के लिए किया जा सके। इसे रोमांचक बनाएं- गणित को बच्चों के लिए मनोरंजक बनाने की जरूरत है। कुछ गतिविधियों और खेलों को अनुकूलित किया जाता है जिन्हें सामान्य रूप से खेला जा सकता है। गतिविधियों में कूदना, दौड़ना, ताश खेलना, पहेलियाँ बनाना, साथ ही तुकबंदी और कहानियाँ सुनना आदि शामिल हैं। संख्या रेखा या संख्या ग्रिड के साथ दौड़ना या कूदना एक ज्ञात संख्या तक पहुँचने के लिए एक ऐसी गतिविधि है जो माता-पिता अपने बच्चों को करवा सकते हैं। करना। इसे और अधिक रोचक, मनोरंजक और कार्ड गेम के लिए आसान बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

बड़ी अदालत के बड़े सदके

(लेखक- राकेश अचल)

बड़ी अदालत बड़ी ही होती है। बड़ी अदालत का बड़ा बड़प्पन होता है। बड़ी दृष्टि होती है, बड़ा दिल होता है। शायद इसीलिए बड़ी अदालत बड़ी अदालत कही जाती है। गुरुवार को बड़ी अदालत ने भारत में ही नहीं अपितु पड़ौसी पाकिस्तान में भी अपनी गुरुता का परिचय अपने फैसलों के जरिये दिया। बड़ी अदालतों के बड़े फैसले भारत और पाकिस्तान की राजनीतिक दशा और दिशा को बदलने वाले हो सकते हैं, बाशर्त की सब इन फैसलों का सम्मान करें और अदालत की मंशा के मुताबिक़ काम करें। दुनिया में हो न हो लेकिन भारत और पाकिस्तान में छोटी-बड़ी अदालतों के लिए ये सबसे बुरा दौर है। अदालतों का सत्ता से निरंतर टकराव हो रहा है। अदालतों के फैसलों पर उंगलियां उठाई जा रहीं हैं और तो और दूसरे संवैधानिक संस्थानों की तरह अदालतों को भी अविश्वसनीय बनाने की नाकाम कोशिश की जा रही है। अदालतों को प्रभावित किया जा रहा है, लालच दिए जारहे हैं। बावजूद इसके अदालतें अपना काम कर रहीं हैं। कहीं कम तो कहीं ज्यादा। अदालतें राहत भी देतीं हैं,निराश भी करतीं है और नजीरें भी पेश करतीं हैं। इसीलिए मुझे अदालतों पर आज भी यकीन है। दूसरों को भी होगा ही।

भारत की सबसे बड़ी अदालत ने दिल्ली सरकार को राहत दी और केंद्र के नुमाइंदे लेफ्टिनेंट जनरल के अधिकारों को स्पष्ट करते हुए दिल्ली की निर्वाचित सरकार के वे अधिकार बहाल किये जिनका अतिक्रमण लेफ्टिनेंट जनरल अक्सर किया करते हैं। कभी-कभी तो लगता है जैसे दिल्ली में चुनी हुई सरकार है ही नहीं। सबसे पहले दिल्ली की बात कोई जाये। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि दिल्ली में जमीन, पुलिस और कानून-व्यवस्था को छोड़कर बाकी सारे प्रशासनिक फैसले लेने के लिए दिल्ली की सरकार स्वतंत्र होगी। अधिकारियों और कर्मचारियों का ट्रांसफर-पोस्टिंग भी कर पाएगी। उपराज्यपाल इन तीन मुद्दों को छोड़कर दिल्ली सरकार के बाकी फैसले मानने के लिए बाध्य हैं।

एक तरह से ये फैसला दिल्ली की केजरीवाल सरकार के लिए बड़ी जीत है। वहीं, केंद्र सरकार और उपराज्यपाल को बड़ा झटका लगा है। केंद्र को इस तरह के झटके की जरूरत थी, क्योंकि केंद्र ने राजनीतिक अदावतों को भुनाने के लिए उप राज्यपाल को अपना औजार बना रखा है। केवल दिल्ली में ही नहीं बल्कि जहां - जहां दिल्ली जैसी स्थितियां हैं वहां-वहां उम्मीद है कि अब केंद्र सरकार के एजेंट तमाम उप राज्यपाल अपनी हदों में रहेंगे। उन्हें हदों में रहना चाहिए ,क्योंकि लोकतंत्र के लिए ऐसा आवश्यक है। उप राज्यपाल और राज्यपालों के केंद्र के इशारे पर राज्यों की निर्वाचित सरकारों से टकराने और उन्हें परेशान करने के असंख्य किस्से हैं। उन पर चर्चा फिर कभी।

बड़ी अदालत का दूसरा बड़ा फैसला महाराष्ट्र में लोकतंत्र के साथ मजाक से जुड़ा है। यहां सत्ता लोलुपता और नैतिकता के बीच जंग थी। बड़ी अदालत ने महाराष्ट्र विधान सभा अध्यक्ष और राज्यपाल की भूमिका पर उँगलियाँ उठाएं लेकिन बड़ी अदालत महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को बहाल नहीं कर सकी,क्योंकि ठाकरे ने नैतिकता के आधार पर खुद इस्तीफा दिया था। सत्ता हथियाने में नैतिकता की जरूरत नहीं पड़ती और ये दौर नैतिकता का है भी नहीं। ऐसे में ठाकरे साहब को बड़ी अदालत के फैसले पर संतोष करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। अब उन्हें जनता की अदालत के फैसले का इन्तजार करना चाहिए। गनीमत है कि देश में अभी कुर्सी की लड़ाई ही अदालतों तक पहुंचती है। सरकारों के उत्तरदायित्व की नहीं, अन्यथा बड़ी अदालत में आज मणिपुर की हिंसा भी फैसले के लिए आ सकती थी। मणिपुर में राज्य सरकार पूरी तरह नाकाम रही है। केंद्र का इंजन भी मणिपुर की मदद नहीं कर सका। वहां सब कुछ भगवान भरोसे हैं। मणिपुर में क्या चल रहा है,कोई नहीं जानता, क्योंकि खबरें छन-छन कर आ रहीं हैं। बड़ी अदालत का तीसरा बड़ा फैसला पड़ौसी देश पाकिस्तान का है। हिंसा की आग में जल रहे पकिस्तान की बड़ी अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी को गैरकानूनी करार देते हुए खान साहब को फौरन रिहा करने के निर्देश दिए हैं। पकिस्तान में अदालतों की दशा भारत जैसी नहीं है, फिर भी जैसी है उल्लेखनीय है। गनीमत है कि पाकिस्तान की हुकूमत और सेना ने बड़ी अदालत का फैसला मानते हुए इमरान खान साहब को रिहा कर दिया है। अगर वे रिहा न भी किये जाते तो शायद अदालत भी हाथ खड़े कर देती।

इमरान खान की गिरफ्तारी और रिहाई से मुमकिन है कि सीधे तौर पर हमारा कोई लेना-देना न बनता हो किन्तु पड़ौसी देश की सियासी हरकतें हमारे लिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पाकिस्तान हमारा पड़ौसी ही नहीं बल्कि एक अमित्र राष्ट्र भी है। वहां कौन नेता है इसका असर हमारे रिश्तों पर पड़ता है। कभी कम तो कभी ज्यादा। ऐसे में इमरान खान की रिहाई पाकिस्तान की जम्हूरियत के लिए एक शुभ लक्षण है और इसके लिए पाकिस्तान की सबसे बड़ी अदालत का शुक्रिया अदा किया जाना चाहिए। आप जानते हैं कि अदालतें किसी से कोई शुकराना नहीं मांगतीं, हाँ उन्हें अपने कामकाज में किसी भी दखल पसंद नहीं। अदालतों को कोई आँखें दिखाए ये भी उचित नहीं है। हमारे यहां ये काम पिछले कुछ वर्षों से हो रहा है। बड़ी बेशर्मी से हो रहा है। सरकार के संरक्षण में हो रहा है। बहरहाल बड़ी अदालतों के बड़े फैसलों की इन दिनों सब दूर चर्चा है। मुमकिन है इन फैसलों से जनता में अदालतों के प्रति विशवास और बढ़े। विश्वास का संकट अदालतों के सामने भी है और सत्ता के सामने भी। दूसरी संवैधानिक संस्थाएं भी विश्वास के संकट से जूझ रहीं हैं। जब तक संविधानिक संस्थाओं के प्रति जनता में विश्वास है तभी तक दुनिया में लोकतंत्र सुरक्षित है। बाक़ी तो भगवान सबका मालिक है ही।

राकेश अचल/ईएमएस
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है।)

सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले

(लेखक- सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के प्रमुख, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एमआर शाह, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, न्यायमूर्ति हिमा कोहली तथा पीएस नरसिंहम की पीठ ने दिल्ली विधानसभा के अधिकार, दिल्ली सरकार और राज्यपाल के अधिकार तथा शिवसेना के दो गुटों में बट जाने और नई सरकार के गठन को लेकर महत्वपूर्ण फैसले दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचित प्रतिनिधियों की सर्वोच्चता को बरकरार रखते हुए, दिल्ली सरकार को कानून बनाने की शक्तियां संवैधानिक रूप से मिली हुई है। जो अधिकारी और कर्मचारी दिल्ली सरकार के अधीनस्थ काम कर रहे हैं।उनके बारे में सभी निर्णय लेने के अधिकार दिल्ली सरकार के बताए गए हैं।दिल्ली सरकार को गृह, कानून व्यवस्था और जमीन संबंधी अधिकार नहीं दिए गए हैं। इसके अलावा दिल्ली सरकार सभी मामले में फैसला ले सकती हैं।सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी स्पष्ट कर दिया है, कि उपराज्यपाल को मंत्रिमंडल की सलाह पर ही काम करना होगा। दिल्ली सरकार के अधिकार और उपराज्यपाल की भूमिका को बड़ी स्पष्ट तरीके से सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में उल्लेखित कर दिया है। पिछले कुछ वर्षों से यह विवाद लगातार चला रहा था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद जहां दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के अधिकार विवाद को समाप्त हो जाने की बात कही जा रही है।वहीं यह भी आशंका व्यक्त की जा रही है, कि केंद्र सरकार राज्य सरकार को इतने अधिकार देने की पक्षधर नहीं है। ऐसे में दिल्ली विधानसभा भंग भी हो सकती है। दिल्ली सरकार के सभी अधिकार केंद्र अपने अधीन ले सकती हैं। बहरहाल सुप्रीम कोर्ट के निर्णय में लोकतांत्रिक व्यवस्था में निर्वाचित प्रतिनिधियों की सर्वोच्चता को बरकरार रखते हुए, राज्यपाल तथा उपराज्यपाल की भूमिका को तय कर दिया है। राज्यपाल राज्य सरकार के बॉस नहीं है। वह केंद्र सरकार के प्रतिनिधि हैं।राज्य सरकार ऐसा कोई काम करती है, जो केंद्रीय कानून या संघीय ढांचे के विरुद्ध होता है। राज्य सरकार अधिकारों से बाहर जाकर कोई निर्णय करती है। उसके बारे में वह केंद्र को अवगत कराने के अधिकार हैं। इस संबंध में केंद्र को ही फैसला लेना होगा। राज्यपाल सीधे कोई फैसला नहीं कर सकता है।

महाराष्ट्र में शिवसेना के दलबदल को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सूक्ष्म स्तर पर जाकर मुद्दों की सुनवाई की है।दल बदल कानून, राजनीतिक संगठन के अधिकार, राज्यपाल की भूमिका इत्यादि पर विस्तृत चर्चा, सुप्रीम कोर्ट में पक्ष और विपक्ष के अधिवक्ताओं, के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट के जजों ने भीसुनवाई के दौरान इस मामले की तह में जाने का प्रयास किया है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल के फैसले को गलत बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दल के निर्वाचित विधायकों के अधिकार, पार्टी के अधिकार,विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका और राज्यपाल की भूमिका पर विस्तृत रूप से सुनवाई की है।दोनों ही पक्षों को सुना है। जिन परिस्थितियों में सरकार को इस्तीफा देने के लिए विवश किया गया था।उसको लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल के ऊपर तीखी टिप्पणी कर,उसे अधिकार से बाहर जाकर निर्णय लिया जाना माना है।विहिप और दलबदल के संबंध में सारे अधिकार विधानसभा अध्यक्ष के पास होते हैं। इसमें राज्यपाल की भूमिका को सुप्रीम कोर्ट में सही नहीं माना है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल द्वारा नए स्पीकर को नियुक्त करना तथा शिवसेना के चीफ विहिप के पद पर नियुक्ति को अवैध मानते हुए, 7 जजों की संविधान पीठ में भेजने का निर्णय किया है। ताकि इस विषय पर संविधान पीठ विचार कर, ऐसा निर्णय लें,जिससे निर्वाचित प्रतिनिधियों के अधिकार और राजनीतिक दलों की भूमिका स्पष्ट हो सके। संविधान पीठ ने महाराष्ट्र मैं दलबदल के बाद जो नई सरकार बनी, और जो विधायक दलबदल कर गए थे।उसके संबंध में 7 जजों की पीठ का फैसला जब आएगा, तब स्थितियां और स्पष्ट हो जाएंगी। इसी तरह दिल्ली के मामले का जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट ने निपटारा किया है। उसमें राज्य सरकार और राज्यपाल की भूमिका को बहुत स्पष्ट कर दिया है। निश्चित रूप से इससे राज्य सरकारों और राज्यपालों के बीच में जो विवाद चल रहे थे।उसमें विराम लगेगा। संघीय ढांचा और संवैधानिक संरचना मजबूत होगी।केंद्र सरकार और राज्य सरकार अपने अपने अधिकार क्षेत्र में बेहतर तरीके से काम कर सकेंगे। इससे यह कहा जा सकता है,कि सुप्रीम कोर्ट के दोनों फैसले ऐतिहासिक हैं। सभी पक्षों को दोनों फैसले स्वीकार होंगे। पिछले कुछ वर्षों में, जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं।वहां पर राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच अधिकारों को लेकर विवाद बनता रहता था। इसी तरह राज्य सरकारों को,दल बदल कानून को ठेंगा बताते हुए,जिस तरह सरकारें गिराई और बनाई जा रही थी।निश्चित रूप से उसमें विराम लगेगा।

फरवरी महीने से जायद की फसलों की बुवाई का समय शुरू है। इन फसलों की बुवाई मार्च तक चलती है। इस समय बोने पर ये फसलें अच्छी पैदावार देती हैं। इस मौसम में खीरा, ककड़ी, करेला, लौकी, तोरई, पेठा, पालक, फूलगोभी, बैंगन, भिण्डी, अरबी जैसी सब्ज़ियों की बुवाई करनी चाहिए।

गर्मियों में उगाए सब्जियां होगा भरपूर फायदा

खीरा

खीरे की खेती के लिए खेत में क्यारियां बनाएं। इसकी बुवाई लाइन में ही करें। लाइन से लाइन की दूरी 1.5 मीटर रखें और पौधे से पौधे की दूरी 1 मीटर। बुवाई के बाद 20 से 25 दिन बाद निराई - गुड़ाई करना चाहिए। खेत में सफाई रखें और तापमान बढ़ने पर हर सप्ताह हल्की सिंचाई करें। खेत से खरपतवार हटाते रहें।

ककड़ी

ककड़ी की बुवाई के लिए एक उपयुक्त समय फरवरी से मार्च ही होता है लेकिन अगेती फसल लेने के लिए पॉलीथीन की थैलियों में बीज भरकर उसकी रोपाई जनवरी में भी की जा सकती है। इसके लिए एक एकड़ भूमि में एक किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। इसे लगभग हर तरह की ज़मीन में उगाया जा सकता है। भूमि की तैयारी के समय गोबर की खाद डालें व खेत की तीन से चार बार जुताई करके सुहागा लगाएं। ककड़ी की बीजाई 2 मीटर चौड़ी क्यारियों में नाली के किनारों पर करनी चाहिए। पौधे से पौधे का अंतर 60 सेंटीमीटर रखें। एक जगह पर दो - तीन बीज बोएं। बाद में एक स्थान पर एक ही पौधा रखें।

करेला

हल्की दोमट मिट्टी करेले की खेती के लिए अच्छी होती है। करेले की बुवाई दो तरीके से की जाती है - बीज से और पौधे से। करेले की खेती के लिए 2 से 3 बीज 2.5 से 5 मीटर की दूरी पर बोने चाहिए। बीज को बोने से पहले 24 घंटे तक पानी में भिगो लेना चाहिए इससे अंकुरण जल्दी और अच्छा होता है। नदियों के किनारे की ज़मीन करेले की खेती के लिए बढ़िया रहती है। कुछ अम्लीय भूमि में इसकी खेती की जा सकती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें इसके बाद दो - तीन बार हैरो या कल्टीवेटर चलाएं।

लौकी

लौकी की खेती कर तरह की मिट्टी में हो जाती है लेकिन दोमट मिट्टी इसके लिए सबसे अच्छी होती है। लौकी की खेती के लिए एक हेक्टेयर में 4.5 किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। बीज को खेत में बोने से पहले 24 घंटे पानी में भिगोने के बाद टाट में बांध कर 24 घंटे रखें। करेले की तरह लौकी में भी ऐसा करने से बीजों का अंकुरण जल्दी होता है। लौकी के बीजों के लिए 2.5 से 3.5 मीटर की दूरी पर 50 सेंटीमीटर चौड़ी व 20 से 25 सेंटीमीटर गहरी नालियां बनानी चाहिए। इन नालियों के दोनों किनारे पर गरमी में 60 से 75 सेंटीमीटर के फासले पर बीजों की बुवाई करनी चाहिए। एक जगह पर 2 से 3 बीज 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोएं।

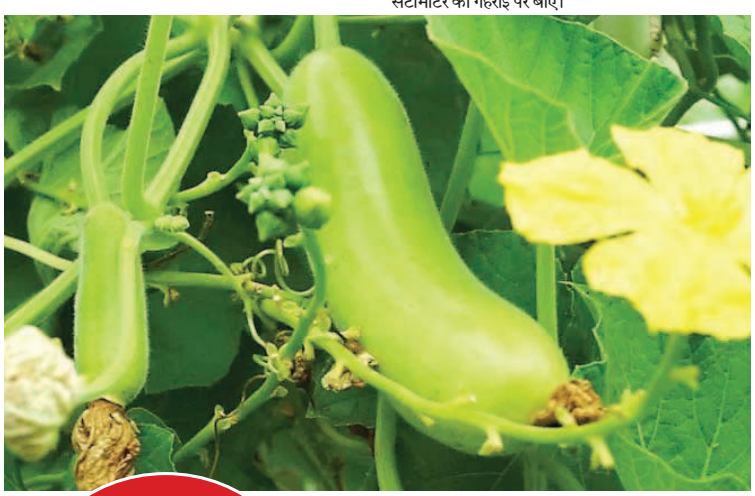

भिंडी

भिंडी की अगेती किस्म की बुवाई फरवरी से मार्च के बीच करते हैं। इसकी खेती हर तरह की मिट्टी में हो जाती है। भिंडी की खेती के लिए खेत को दो-तीन बार जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा कर लेना चाहिए और फिर पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए। बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार दूरी 25-30 सेमी और कतार में पौधे की बीच की दूरी 15-20 सेमी रखनी चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद पहली निराई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण के लिए रासायनिक का भी प्रयोग किया जा सकता है।

तोरई

हल्की दोमट मिट्टी तोरई की सफल खेती के लिए सबसे अच्छी मानी जाती है। नदियों के किनारे वाली भूमि इसकी खेती के लिए अच्छी रहती है। इसकी बुवाई से पहले, पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें इसके बाद 2 से 3 बार बार हैरो या कल्टीवेटर चलाएं। खेत कि तैयारी में मिट्टी भुरभुरी हो जानी चाहिए। तोरई में निराई ज़्यादा करनी पड़ती है। इसके लिए कतार से कतार की दूरी 1 से 1.20 मीटर और पौधे से पौधे की दूरी एक मीटर होनी चाहिए। एक जगह पर 2 बीज बोने चाहिए। बीज को ज़्यादा गहराई में न लगाएं इससे अंकुरण पर फर्क पड़ता है। एक हेक्टेयर ज़मीन में 4 से 5 किलोग्राम बीज लगता है।

अरबी

अरबी की खेती के लिए रेतीली दोमट मिट्टी अच्छी रहती है। इसके लिए ज़मीन गहरी होनी चाहिए। जिससे इसके कंदों का समुचित विकास हो सके। अरबी की खेती के लिए समतल क्यारियां बनाएं। इसके लिए कतार से कतार की दूरी 45 सेमी. व पौधे से पौधे की दूरी 30 सेमी होनी चाहिए। इसकी गांठों को 6 से 7 सेंटीमीटर की गहराई पर बो दें।

पालक

पालक के लिए बलुई दोमट या मटियार मिट्टी अच्छी होती है लेकिन ध्यान रहे अम्लीय ज़मीन में पालक की खेती नहीं होती है। भूमि की तैयारी के लिए मिट्टी को पलेवा करके जब वह जुताई योग्य हो जाए तब मिट्टी पलटने वाले हल से एक जुताई करना चाहिए, इसके बाद 2 या 3 बार हैरो या कल्टीवेटर चलाकर मिट्टी को भुरभुरा बना लेना चाहिए। साथ ही पाटा चलाकर भूमि को समतल करें। पालक की खेती के लिए एक हेक्टेयर में 25 से 30 किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। बुवाई के लिए कतार से कतार की दूरी 20 से 25 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 20 सेंटीमीटर रखना चाहिए। पालक के बीज को 2 से 3 सेन्टीमीटर की गहराई पर बोना चाहिए, इससे अधिक गहरी बुवाई नहीं करनी चाहिए।

बैंगन

इसकी नर्सरी फरवरी में तैयार की जाती है और बुवाई अप्रैल में की जाती है। बैंगन की खेती के लिए अच्छी जल निकासी वाली दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है। नर्सरी में पौधे तैयार होने के बाद दूसरा महत्वपूर्ण कार्य होता है खेत को तैयार करना। मिट्टी परीक्षण करने के बाद खेत में एक हेक्टेयर के लिए 4 से 5 ट्रॉली पक्का हुआ गोबर का खाद् बिखेर दे। बैंगन की खेती के लिए दो पौधों और दो कतार के बीच की दूरी 60 सेंटीमीटर होनी ही चाहिए।

पेठा

पेठा कद्दू की खेती के लिए दोमट व बलुई दोमट मिट्टी सब से अच्छी मानी जाती है। इसके अलावा यह कम अम्लीय मिट्टी में आसानी से उगाया जा सकता है। पेठा की बुवाई से पहले खेतों की अच्छी तरह से जुताई कर के मिट्टी को भुरभुरी बना लेना चाहिए और 2-3 बार कल्टीवेटर से जुताई कर के पाटा लगाना चाहिए। इसके लिए एक हेक्टेयर में 7 से 8 किग्रा बीज की ज़रूरत होती है। इसकी बुवाई के लिए लगभग 15 हाथ लंबा का एक सीधा लकड़ी का डंडा ले लेते हैं, इस डंडे में दो-दो हाथ की दूरी पर फीता बांधकर निशान बना लेते हैं जिससे लाइन टेढ़ी न बने। दो हाथ की दूरी पर लम्बाई और चौड़ाई के अंतर पर गोबर की खाद का सीधे लाइन में गोबर की खाद घुरवा बनाते हैं जिसमे पेठे के सात से आठ बीजे गाड़ देते हैं अगर सभी जम गए तो बाद में तीन चार पौधे छोड़कर सब उखाड़ कर फेंक दिए जाते हैं।

सोने-चांदी की कीमतें गिरीं

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर भी सोने-चांदी की घरेलू वायदा कीमतों में गिरावट आई है। एमसीएक्स पर डिलीवरी वाला सोना 137 रुपए की गिरावट के साथ ही 60,755 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा। विश्व स्तर पर भी सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। डॉलर इंडेक्स में बढ़त के चलते ही सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। अमेरिका में महंगाई के आकंड़े उम्मीद से अधिक अच्छे आए हैं। इससे डॉलर इंडेक्स में उछाल आया है। इससे लग रहा है कि अब फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में बढ़ोतरी को समाप्त कर सकता है। चांदी के घरेलू वायदा भाव में आज भारी गिरावट दर्ज की गयी है। 5 जुलाई की डिलीवरी वाली चांदी शुक्रवार दोपहर 1.03 फीसदी या 757 रुपए की गिरावट के साथ 73,051 रुपए प्रति किलोग्राम पर करोबार करता दिखा। वैश्विक स्तर पर भी चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। सोने की वैश्विक कीमतों में भी गिरावट आई है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.30 फीसदी या 6 डॉलर की गिरावट के साथ ही 2,014.50 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव 0.24 फीसदी या 4.88 डॉलर की गिरावट के साथ 2,010.17 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा।

म्युचुअल फंडों के पास ग्राहकों के बिना दावे के करोड़ों रुपए

नई दिल्ली । भारत में म्युचुअल फंडों के संगठन (एम्फी) ने कहा कि म्युचुअल फंडों के पास बगैर दावे के करीब 2,500 करोड़ रुपए के लाभांश और यूनिट हैं। इस कुल राशि में से करीब 1,600 करोड़ रुपए बगैर दावे वाले लाभांश और शेष बिना दावे से जुड़ी बिकवाली से संबंधित हैं। एम्फी के मुख्य कार्याधिकारी एनएस वेंकटेश ने कहा कि संगठन ने यह सुनिश्चित करने के लिए बाजार नियामक सेबी के साथ लगातार काम किया है कि यह राशि सही मालिकों के हाथों में पहुंच जाए। उन्होंने कहा कि सेबी ने एम्फी को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी है कि निवेशक या उनके नोमिनी या वारिस को पूंजी मिले। हम इस संबंध में सेबी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। यह आंकड़ा निकट भविष्य में काफी घट जाएगा। फंड हाउस इन निवेशकों से ईमेल आईडी और उनके पैन से जुड़े फोन नंबरों के जरिए संपर्क बनाने की कोशिश कर रहे हैं। राशि को ऐसे हालात में बगैर दावे वाली माना जाएगा, जब फंड हाउस ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन माध्यमों के जरिए निवेशकों को लाभांश और रिडम्पशन संबंधित भुगतान देने में विफल रहा हो। इसका एक कारण संबंधित बैंक खातों का बंद होना भी है। सेबी के नियमों के अनुसार यह राशि लिक्विड या ओवरनाइट जैसी अल्पावधि डेट योजनाओं में रखी जाती है।

ई-कॉमर्स कंपनियां अपने मंच से कार सीट बेल्ट अलार्म नहीं बेच सकेंगी

नई दिल्ली । ई-कॉमर्स कंपनियां अपने मंच से कार सीट बेल्ट अलार्म को बंद करने वाले उपकरणों की बिक्री नहीं कर सकेंगी। उपभोक्ता संरक्षण नियामक सीसीपीए ने अमेजन और फ्लिपकार्ट सहित पांच ई-कॉमर्स कंपनियों को अपने मंच से ऐसे उपकरणों को हटाने का आदेश दिया है। नियामक ने कहा कि ये उपकरण (स्टॉपर क्लिप) सीट बेल्ट न पहनने पर अलार्म की आवाज को रोकते हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा से समझौता होता है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने अमेजन, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील, शॉपक्लूज और मीशो से कहा है कि वे कार सीट बेल्ट के अलार्म को बंद करने वाले स्टॉपर क्लिप और संबंधित कलपुर्जों को अपने मंच से स्थायी रूप से हटा दें। इस आदेश के बाद पांच ई-कॉमर्स कंपनियों ने अपने मंच से 13,118 कार सीट बेल्ट अलार्म स्टॉपर क्लिप हटा दिया है। नियामक ने एक बयान में कहा कि अमेजन ने 8,095 ऐसी क्लिप को हटा दिया है, वहीं फ्लिपकार्ट ने करीब 5,000 क्लिप को हटाया है। इसके अलावा सीसीपीए ने राज्यों के मुख्य सचिवों और जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर ऐसे उपकरण बनाने और बेचने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने को भी कहा है।

लंदन में एक मेकडोनाल्ड आउटलेट पर 4.87 करोड़ का जुर्माना!

लंदन ।

लंदन में एक मेकडोनल्ड आउटलेट पर 4.87 करोड़ का जुर्माना लगाया गया था, क्योंकि एक ग्राहक ने अपने चीजबर्गर में चूहों का मल पाया था, जिससे रेस्तरा में संक्रमण का भी खुलासा हुआ। मेकडोनल्ड के एक ड्राइव थ्रू आउटलेट के ग्राहक ने अपनी शिकायत में कहा है कि बर्गर लेने के बाद जब उन्होंने रैपर खोला तो अंदर उन्होंने मल दिखाई दिया जो कि चूहे का लग रहा था। इसके बाद ग्राहक ने बिना देर किए स्वास्थ्य अधिकारियों से शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पूरे मामले की जांच की गई। अधिकारियों ने आउटलेट का दौरा किया और देखा कि यह गंदी परिस्थितियों में संचालित किया जा रहा था। पूरे आउटलेट में एक चूहे के सड़ते हुए अवशेष और गोबर पाए गए, जिसमें उन क्षेत्रों को भी शामिल किया गया, जहां खाना रखा और तैयार किया जाता है। एक रिपोर्ट के

अनुसार निरीक्षण के दौरान स्टाफ रूम और स्टोरेज एरिया भी अनहाइ जिनिक पाया गया। बता दें कि स्वच्छता उल्लंघनों से संबंधित तीन आरोपों में दोषी ठहराए जाने और जुर्माने और लागत में 4.87 करोड़ का भुगतान करने का आदेश देने के बाद वॉल्थम वन परिषद द्वारा फास्ट फूड विशाल को इस सप्ताह अदालत में घसीटा गया था। काउंसलर खेविन लिंबाजी, वॉल्थम फ़ॉरेस्ट काउंसिल के कम्युनिटी सेफ्टी के कैबिनेट सदस्य ने भी इस मामले में अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को ये विश्वास दिलाना चाहिए कि उनका खाना स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में पकाया और तैयार किया गया है। हम इस मामले की जांच के लिए कांउसिल को रिपोर्ट करने वाले ग्राहक के आभारी हैं। वहीं मैकडॉनल्ड्स ने अपने अपराध को स्वीकार कर लिया और जुर्माना भरने को तैयार हैं।

ओएनडीसी पर लगाए गए कमीशन को छोड़ सकता है पेटीएम

मुंबई । डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क (ओएनडीसी) पर ऑर्डर की मजबूत वृद्धि को देखते हुए पेटीएम ओएनडीसी पर एक खरीदार ऐप के रूप में लगाए गए 3 प्रतिशत कमीशन को छोड़ सकता है। यह ओपन सोर्स नेटवर्क पर प्राइस को और कम करने में मदद कर सकता है। यह मंच पहले से ही फूड डिलीवरी स्पेस में मौजूद स्विगी और ज़ोमैटो के एकाधिकार को चुनौती दे रहा है। सूत्रों ने कहा कि ओएनडीसी पर लाइव होने वाले पहले खरीदार ऐप में से एक, विक्रेताओं द्वारा पूरे किए गए ऑर्डर पर कमीशन छोड़ने की योजना है, जहां कोई ग्राहक शिकायत नहीं है। ओएनडीसी पर कुल ऑर्डर के लगभग एक तिहाई के लिए पेटीएम अकाउंट्स पर विचार करना महत्वपूर्ण है। नेटवर्क पर अन्य प्रमुख खरीदार ऐप्स में फोनपे और मे जिके पिन शामिल हैं। ओएनडीसी के सीईओ टी कोशी ने पेटीएम के माध्यम से दी जाने वाली योजना की बारीकियों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। लेकिन बताया गया है कि नेटवर्क की स्थापना को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न नेटवर्क प्रतिभागी विभिन्न योजनाओं के साथ सामने आएंगे। वहीं पेटीएम ने इस पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है।

मस्क को ट्विटर के लिए मिला सीईओ

वाशिंगटन । दिग्गज कारोबारी एलन मस्क को आखिरकार ट्विटर संभालने के लिए कोई 'इंसान मिल गया। उन्होंने एक ट्वीट में बताया कि जल्द ही कंपनी को नया सीईओ मिल जाएगा। मस्क ने बीते साल अक्टूबर में ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीदा था। इसके बाद कंपनी के सीईओ पराग अग्रवाल को तत्काल तौर पर बाहर का रास्ता दिखा गया था। इसके बाद से ही कंपनी को नए सीईओ की तलाश थी, जो अब लगभग पूरी हो गई है। मस्क ने बताया कि 6 सप्ताह के भीतर कंपनी के नए सीईओ को ज्वाइन करना है। नया चेहरा एनबीसीयूनिवर्सल की एग्जीक्यूटिव लिंडा यासरिनो हैं। वे जल्द ही ट्विटर के सीईओ का पद संभालेगी। मस्क ने ट्विटर पर बताया कि अब वे खुद को एक नए रोल में रखने जा रहे हैं। मस्क अब ट्विटर के चीफ टेक्नोलॉजिस्ट हैं। हालांकि, उन्होंने नाम का खुलासा नहीं किया। यासिरानो जो अभी ग्लोबल एडवरटाइजिंग कंपनी एनबीसीयूनिवर्सल मीडिया की चेयरमैन हैं, उनका नाम ही सीईओ के तौर पर लिया जा रहा है। कंपनी के प्रतिनिधियों का कहना है कि फिलहाल वह आगे की प्रजेंटेशन और एडवरटाइजर्स के लिए तैयारी कर रही हैं। इससे पहले अक्टूबर, 2022 में ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीदने के बाद मस्के न ने पराग अग्रवाल को बाहर कर दिया था और खुद कमान संभाल ली थी। हालांकि, उन्होंने कहा था कि फिलहाल कुछ समय के लिए ही यह जिम्मेदारी निभा रहे हैं और योग्य चेहरा मिलते ही कमान सौंप दी जाएगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 123 , निफ्टी 17 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी के कारण आई है। आज कारोबार के दौरान बैंकिंग शेयरों में उछाल आया जबकि धातु , पीएसई और उर्जा शेयरों पर दबाव रहा। वहीं फार्मा, रियल्टी और आईटी शेयर नीचे आये। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 123.38 अंक करीब 0.20 फीसदी बढ़कर 62,027.90 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 17.80 अंक तकरीबन 0.10 फीसदी बढ़कर 18314.80 अंक पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 18 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एचयूएल और एचसीएल टेक सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में रहे। सबसे ज्यादा 1.92 फीसदी लाभ महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों को हुआ। दूसरी ओर सेंसेक्स के 12 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। पावर ग्रिड, एनटीपसी, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट और नेस्ले इंडिया सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयरों में रहे। सबसे ज्यादा नुकसान पावर ग्रिड के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 2.67 फीसदी तक टूटे। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स में 132 अंक और निफ्टी में 39 अंक की गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 61772 और निफ्टी 18257 पर कारोबार कर रहा था। उधर बीएसई में 2848 शेयरों में कारोबार हो रहा था।

सेंसेक्स की कंपनियों में लार्सन एंड टुब्रो सबसे ज्यादा पांच प्रतिशत से अधिक नुकसान में रही थी। कंपनी के गैर-कार्यकारी चेयरमैन एएम नायक के पद से हटने के निर्णय की खबर के बाद कंपनी का शेयर नीचे आया था। इसके अलावा आईटीसी, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर भी नीचे आ गए थे। दूसरी तरफ एशियन पेंट्स में सर्वाधिक 3.22 फीसदी की तेजी आई थी। कंपनी का लाभ 2022-23 की चौथी तिमाही में 43.97 फीसदी बढ़कर 1,258.41 करोड़ रुपए पहुंचने के साथ इसका शेयर चढ़ गया था। हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और मारुति भी लाभ में रहे थे।

जिस काम को करने में चीन को 30 साल लगे देश और हमारी सरकार एक दशक में पूरा करेगी : चंद्रशेखर

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार में इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में देश में जल्द ही 85,000 प्रतिभाओं का पूल होगा, एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि भारत का तकनीक देश के आईटी/आईटीईएस हब होने की कहानी को बदल रहा है। उन्होंने दर्शकों से कहा, हमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था पाई आईटी/आईटीईएस के एकध्रुवीय प्रिज्म से एक में परिवर्तित हो गई है, जिसमें डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में लगभग हर गतिविधि शामिल है, जिसका अनुसरण दुनिया कर रही है। मंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में, केवल 14 महीनों में देश ने न केवल विनिर्माण और डिजाइन में अवसर पैदा किए हैं, बल्कि बिल्कुल नए पाठ्यक्रम के साथ, हम जल्द ही न केवल भारत के लिए एक नया 85,000 टैलेंट पूल प्रदान करने वाले हैं, लेकिन दुनिया के लिए भी। मंत्री चंद्रशेखर ने कहा, चीन को हासिल करने में 30 साल लग गए, हमारी सरकार और देश एक दशक में इस लागू करना चाहते हैं। मंत्री ने डिजिटल इंडिया अधिनियम (डीआईए) पर कहा कि यह आईटी अधिनियम का अधिक्रमण करने जा रहा है, जो पूर्व-परामर्श चरण में चला गया है। उन्होंने दर्शकों से कहा, हमने पहले ही कुछ उपयोगी चर्चा की है। हम इसके बारे में पारदर्शी और सहयोगी बनना चाहते हैं। भारत का सेमीकंडक्टर बाजार 2026 तक 64 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

जय भारत मारुति दो नए संयंत्र लगाने 350 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली । जय भारत मारुति ने कहा है कि वह हरियाणा और गुजरात में अपनी प्रमुख ग्राहक मारुति सुजुकी की जरूरतों को पूरा करने के लिए दोनों क्षेत्रों में दो विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगी। कंपनी इसके तहत चरणबद्ध तरीके से 300 से 350 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी ने कहा कि ये संयंत्र हरियाणा में सोनीपत के खरखौदा और गुजरात में एसएमजी सप्लायर्स पार्क में स्थापित किए जाएंगे। जय भारत मारुति ने कहा कि सोनीपत में नए संयंत्र से क्षमता बढ़ेगी, जिससे आईएमटी खरखौदा स्थित मारुति सुजुकी के नए विनिर्माण संयंत्र की जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। यह विनिर्माण संयंत्र वित्त वर्ष 2024-25 में शुरू हो जाएगा। जय भारत मारुति ने कहा कि कंपनी वाहन तैयार करने के लिए पुर्जों की आपूर्ति के लिए गुजरात में नई इकाई में वाहन तैयार करने का संयंत्र भी स्थापित करेगी। यह जेबीएम समूह और मारुति सुजुकी की संयुक्त उपक्रम है। जय भारत मारुति लिमिटेड 2.6 अरब डॉलर के जेबीएम समूह की प्रमुख कंपनी है। कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया के लिए वाहनों के कलपुर्जे बनाती है।

अडानी ग्रुप के दो शेयर एमएससीआई इंडेक्स से होंगे बाहर

मुंबई ।

अडानी ग्रुप के दो शेयर एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स से बाहर हो जाएंगे। जबकि फूड डिलीवरी एप जोमैटो के वैटेज में इजाफा होगा। एमएससीआई ने अपनी तिमाही व्यापक सूचकांक समीक्षा में यह घोषणा की है। एमएससीआई का यह फैसला 31 मई, 2023 से लागू हो जाएगा। अडानी ग्रुप के जो शेयर एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स से बाहर होंगे, वे अडानी ट्रांसमिशन और अडानी टोटल गैस हैं। इंडेक्स से बाहर निकलने के चलते अडानी ट्रांसमिशन से 201 मिलियन डॉलर की निकासी हो सकती है। वहीं अडानी टोटल गैस से 186 मिलियन डॉलर की निकासी हो सकती है। एक अध्ययन में यह निकासी का अनुमान जताया है। रिपोर्ट में कहा गया की अडानी ग्रुप के शेयरों में प्रत्येक से 1.80 करोड़ शेयर बेचे जा सकते हैं। इन स्टॉक्स का वैटेज क्रमश- 0.34 और 0.31 है। अडानी ट्रांसमिशन का शेयर गुरुवार को 917 रुपए पर बंद हुआ था। यह शेयर शुक्रवार को गिरावट के साथ 871.15 रुपए पर खुला।

शुरुआती कारोबार में यह 36 रुपए की गिरावट के साथ 881 रुपए पर कारोबार करता दिखा। कंपनी का मार्केट कैप 98,297.22 करोड़ रुपए है। वहीं अडानी टोटल गैस के शेयर में शुरुआती कारोबार में लोअर सर्किट लग गया। यह शेयर गुरुवार को 855.35 रुपए पर बंद हुआ था। शुक्रवार को यह 814 रुपए पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 5 फीसदी के लोअर सर्किट के साथ 812.65 रुपए पर रह गया। दूसरी तरफ इंडेक्स पर जोमैटो के वैटेज में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। इससे 7.70 करोड़ शेयर खरीदे जाएंगे और 59 मिलियन डॉलर का इनफ्लो आएगा। इस शेयर का वैटेज 0.10 फीसदी बढ़कर 0.3 फीसदी हो जाएगा। जोमैटो के शेयर की बात करें, तो यह शुरुआती कारोबार में सपाट कारोबार करता दिखा। यह बीएसई पर 0.26 फीसदी की गिरावट के साथ 62.35 रुपए पर कारोबार कर रहा था।

सुपरटेक के 20 हजार बायर्स को फ्लैट मिलने का रास्ता साफ

- सुप्रीम कोर्ट ने दी लोन लेने की इजाजत

मुंबई । सुपरटेक ग्रुप के प्रोजेक्ट में फंसे बायर्स को अब फ्लैट मिलने का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने मुश्किलों से घिरे सुपरटेक ग्रुप को प्राइवेट फाइनेंस कंपनी से लोन लेने की अनुमति दे दी है। इससे सुपरटेक के 18 प्रोजेक्ट्स में फंसे करीब 20 हजार बायर्स को फ्लैट मिल सकेगा। आईआरपी की निगरानी में सुपरटेक 18 प्रोजेक्ट्स में काम कर रहा है लेकिन पैसे नहीं होने की वजह से काम चालू रखने में दिक्कतें आ रही हैं। अब लोन मिलने का रास्ता साफ होने से काम तेजी पकड़ेगा। इससे हजारों बायर्स को राहत मिलेगी। बता दें कि ऑक्ट्री कंपनी सुपरटेक को 1200 से 1500 करोड़ का लोन देगी। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट में सुपरटेक ने अपना प्लान सौंपा था। इसमें सुपरटेक ने बताया था कि वह लोन कैसे चुकता करेगा। इस प्लान के आधार पर ही कोर्ट ने सुपरटेक को बाजार से लोन उठाने की अनुमति दी है। पहले घर खरीदारों का पैसा नहीं लौटाने पर सुपरटेक बिल्डर के चेयरमैन आरके अरोड़ा को हिरासत में लिया गया था। यूपी रेरा की आरसी पर जिला प्रशासन ने कार्रवाई की थी। बताते हैं कि सुपरटेक ने दो करोड़ रुपए का चेक दिया और 10 दिन में करीब 7 करोड़ रुपए जमा कराने का भरोसा दिया है। बाकी पैसे का शेड्यूल देना होगा। सुपरटेक वैसे भी बदनाम है। ट्विन टावर उसी का था, जो पिछले साल धुआं-धुआं हो गया। सुपरटेक के प्रोजेक्ट्स में हजारों फ्लैट बायर्स फंसे हुए हैं। इन बायर्स को अपना फ्लैट मिलने का काफी लंबे समय से इंतजार है।

गूगल ने भारत सहित 180 से अधिक देशों में बार्ड एआई किया लांच

नई दिल्ली ।

गूगल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित अपना चैटबॉट बार्ड एआई भारत से हित 180 से अधिक देशों में लांच कर दिया है। इससे पहले अमेरिका और ब्रिटेन में इसे लांच किया जा चुका था। बार्ड अंग्रेजी के अलावा अब जापानी और कोरियन में भी उपलब्ध है। कंपनी ने कहा कि यह जल्द ही 40 भाषाओं का समर्थन करने की तैयारी में है। इसके अलावा गूगल ने कहा कि बार्ड जल्द ही अपने रिस्पॉन्स और आपके प्रॉम्प्ट दोनों में अधिक विजिबल होगा। ऐसा करने के लिए कंपनी गूगल लेंस को सीधे बार्ड से जोड़ेगी। गूगल ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि मान लें कि आप अपने कुत्तों की तस्वीर का उपयोग करके कुछ मजा लेना चाहते हैं।

आप इसे अपलोड कर सकते हैं और बार्ड को इन दोनों के बारे में एक मजेदार कैप्शन लिखने के लिए प्रॉम्प्ट कर सकते हैं। गूगल लेंस का उपयोग करके बार्ड तस्वीर का विश्लेषण करेगा, कुत्तों की नस्लों का पता लगाएगा और कुछ रचनात्मक कैप्शन का मसौदा तैयार करेगा, सब कुछ सेकेंड के भीतर होगा। कंपनी ने कहा कि वह उपयोगकर्ता की कल्पना और जिज्ञासा को बढ़ावा देने के लिए नए तरीके पेश करेगी। इसके लिए वह गूगल ऐप की सेवाओं और क्षमताओं जैसे डॉक्स, ड्राइव, जीमेल, मैप्स आदि को सीधे बार्ड से जोड़ेगी।

आने वाले महीनों में गूगल एडॉब फैमिली के रचनात्मक एआई मॉडल एडॉब फायर फ्लाई को बार्ड से जोड़ेगी ताकि उपयोगकर्ता अपने रचनात्मक विचारों को आसानी से और कम समय में उच्च-गुणवत्ता वाली छवियों में बदल सकें, जिसे वे बाद में संपादित कर सकते हैं या एडॉब एक्सप्रेस में अपने डिजाइन में जोड़ सकते हैं। तकनीक की दिग्गज कंपनी बार्ड को गूगल के मददगार ऐप्स और तथा साझेदार कंपनियों जैसे कयाक, ओपनटेबल, जिप रिक्रूटर, इंस्टाकार्ट, वोल्फ्राम और खान एकेडमी से जोड़ने की दिशा में भी काम कर रही है।

जियो और एयरटेल के फरवरी में 19.8 लाख नए उपभोक्ता बने: ट्राई

मुंबई ।

दूरसंचार कंपनियों रिलायंस जियो और भारती एयरटेल ने फरवरी माह में कुल 19.8 लाख मोबाइल उपभोक्ता जोड़े जबकि इस अवधि में वोडाफोन आइडिया के 20 लाख ग्राहक कम हो गए। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के जारी किए गए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इसके मुताबिक देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी जियो ने फरवरी में सबसे ज्यादा लगभग 10 लाख उपभोक्ता जोड़े। इसके साथ ही इसके कुल उपभोक्ताओं की संख्या जनवरी के 42.61 करोड़ से बढ़कर फरवरी में 42.71 करोड़ हो गई। फरवरी के महीने में भारती एयरटेल के 9.82 लाख उपभोक्ता बढ़े और उसके कुल उपभोक्ताओं की संख्या 36.98 करोड़ हो गई। दूसरी तरफ, वोडाफोन आइडिया के 20 लाख उपभोक्ता कम हो गए और उसके कुल उपभोक्ताओं की संख्या घटकर 23.79 करोड़ रह गई। विज्ञप्ति के अनुसार कुल ब्रॉडबैंक उपभोक्ताओं की संख्या जनवरी ओ खिर के 83.918 करोड़ से 0.02 प्रतिशत बढ़कर फरवरी अंत में 83.933 करोड़ हो गई। ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं के कुल बाजार में शीर्ष पांच सेवा प्रदाताओं की हिस्सेदारी 98.38 प्रतिशत रही। ट्राई ने कहा कि इन सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड 43.52 करोड़ उपभोक्ता, भारती एयरटेल के 23.97 करोड़, वोडाफोन आइडिया 12.374 करोड़, बीएसएनएल 2.492 करोड़ और एट्रिया कन्वर्जेंस लगभग 21 लाख उपभोक्ता शामिल हैं। कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या जनवरी के 114.3 करोड़ से 0.09 प्रतिशत घटकर फरवरी में 114.1 करोड़ उपभोक्ता रह गई।

बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न आरोपों की जांच के लिए एसआईटी गठित

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने आज यहां की एक अदालत को बताया है कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवालों के यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल की अदालत में कहा कि मामले में एक सीलबंद कवर के तहत एक स्टेटस रिपोर्ट भी रखी रखी गई है। एसआईटी टीम में एक महिला पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सहित 10 अधिकारी हैं। इस अधिकारी ने कहा, महिला पहलवानों द्वारा दायर शिकायतों के आधार पर ही विभिन्न राज्यों से जानकारी एकत्र करने के लिए टीम का गठन किया गया है। अदालत को यह भी बताया गया कि पीड़िता में से एक का बयान संबंधित मजिस्ट्रेट के समक्ष दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत दिन में दर्ज किया जाएगा। वहीं अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 27 मई को तय की है। इससे पहले अदालत ने दिल्ली पुलिस से इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट रिपोर्ट मांगी थी।

आईपीएल में आज दिल्ली को हराकर प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी पंजाब

नई दिल्ली ।

आईपीएल में शनिवार को पंजाब किंग्स ओर दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला होगा। इस मुकाबले में पंजाब किंग्स का लक्ष्य किसी भी प्रकार से जीत दर्ज कर अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को बनाये रखना रहेगा। पंजाब की टीम 11 मैचों में पांच जीत से 10 अंक हैं और उसे प्लेऑफ में पहुंचने के लिए बचे हुए सभी तीन मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे हालांकि ये उसके लिए आसान नहीं रहेगा क्योंकिं दिल्ली कैपिटल्स की टीम को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। इसके अलावा दिल्ली प्लेऑफ से तकरीबन बाहर हो गयी है। ऐसे में वह बिना किसी दबाव के खेलते हुए पंजाब के समीकरण बिगाड़ना चाहेगी। इस मैच में अगर दिल्ली बड़े अंतर से जीतती है तो उसके लिए एक हल्की सी उम्मीद बन सकती है। दिल्ली ने अभी तक 11 मैचों में केवल चार मैच जीते हैं और अगर वह अपने बचे हुए तीनों मैच में जीत भी लेती है तब भी उसके 14 अंक होंगे जो कि शीर्ष चार में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं पर अगर अन्य टीमों के परिणाम बेहद विपरीत आये तो उसके लिए एक उम्मीद बन सकती है पर इसकी संभावना न के बराबर है। पंजाब की टीम के लिए सकारात्तमक पक्ष ये है कि कप्तान शिखर धवन सहित उसके बल्लेबाज अब रन बना रहे हैं। वहीं दिल्ली की बल्लेबाजी बेहद कमजोर बनी हुई है। डेविड वॉर्नर और सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट व मिशेल मार्श पर जरुरत से ज्यादा निर्भरता से इन बल्लेबाजों पर भी दबावा पड़ा है। उसके मध्यक्रम के बल्लेबाज मनीष पांडे, रिपल पटेल और अमन खान भी रन बनाने में विफल रहे है। इससे निचले क्रम पर अत्याधिक दबाव आया है। ऑलराउंडर अक्षर पटेले ने ही अब तक कुछ हद तक रन बनाकर पारी को संभाला है। कप्तान वॉर्नर भी पिछली पांच पारियों से असफल रहे हैं। वह पिछली तीन पारियों से दो अंकों में भी नहीं पहुंच पाये हैं। वहीं सॉल्ट ने दो पारियों में शानदार प्रदर्शन किया पर वह तीन मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। इनमें से दो मैच में वह खाता भी नहीं खोल सके थे। मार्श ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अच्छी पारी खेली थी पर इसके बाद वह भी रन नहीं बना पाये हैं। गेंदबाजी में हालांकि दिल्ली का प्रदर्शन ठीक रहा है। स्पिनर अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने अपनी भूमिका बेहतर तरीके से निभाई है। तेज गेंदबाज इशांत शर्मा और खलील अहमद अधिकतर अवसरों पर विकेट नहीं ले पाये हैं। तेज गेंदबाज एनरिक नार्किया के नहीं होने से भी टीम को नुकसान हुआ है। वहीं दूसरी ओर पंजाब को पिछले मैचों में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स से हार का सामना करना पड़ा है। इससे उसका मनोबल गिरा हुआ है। ऐसे में अब उसे पिछले खराब प्रदर्शन से उबरकर वापसी करनी होगी। पंजाब के लिए पिछले दो मैचों में उसके बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया पर गेंदबाज विफल रहे। टीम बल्लेबाजी के लिए धवन पर ही आधारित हो गयी है जिससे भी उसे नुकसान होता है। धवन के सलामी जोड़ीदार प्रभसिमरन सिंह के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है। विकेटकीपर जितेश शर्मा और ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है पर भानुका राजपक्षे चोट से वापसी करने के बाद से ही लय में नहीं हैं।

पिछले साल की तरह ही इस बार भी एक ही टीम के खिलाड़ियों को मिल सकती है पर्पल और ऑरेंज कैप

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में भी पिछले सत्र की ही तरह एक ही टीम के खिलाड़ियों को ऑरेंज और पर्पल कैप मिलने की संभावना है। इसका कारण ये है कि अबतक सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी शीर्ष पर मौजूद आरसीबी के फाफ डुप्लेसी से केवल एक रन पीछे हैं। डुप्लेसी के 576 और यशस्वी के 575 रन हैं। जिस प्रकार यशस्वी रन बना रहे हैं। ऐसे में उनका शीर्ष पर पहुंचना तय है। वहीं गेंदबाजी में रॉयल्स के ही युजवेंद्र चहल सबसे अधिक विकेट के साथ ही पर्पल कैप की रैस में सबसे आगे हैं। राजस्थान के चहल और यशस्वी अगर पर्पल और ऑरेंज कैप हासिल करते हैं तो इस सत्र में भी पिछले सत्र की ही तरह के ही परिणाम रहेंगे। आईपीएल के पिछले सत्र में एक ही फ्रेंचाइजी के दो खिलाड़ियों ने ऑरेंज और पर्पल कैप हासिल

की थी। पिछले सत्र में रायल्स के जोस बटलर ने ऑरेंज और चहल ने पर्पल कैप हासिल की थी। आईपीएल 2022 के पहले भी दो बार एक ही टीम के खिलाड़ियों ने ऑरेंज और पर्पल कैप जीती थी। साल 2013 में सीएसके के डवेन ब्रावो और माइक हसी और 2017 में सनराइजर्स हैदराबाद के भुवनेश्वर कुमार और डेविड वॉर्नर ने ऑरेंज और पर्पल कैप जीती थी।

सुदीरमन कप फाइनल्सः भारत अपने अभियान की शुरूआत चीनी ताइपे के खिलाफ करेगा

(एजेंसी)

मजबूत मलेशिया, चीनी ताइपे और ऑस्ट्रेलिया के साथ एक कठिन ग्रुप सी में रखा गया भारत बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल्स 2023 में अपने अभियान की शुरूआत 14 मई को चीनी ताइपे के खिलाफ करेगा। भारत ने कभी भी इस आयोजन के सेमीफाइनल में जगह नहीं बनाई, लेकिन एक मजबूत टीम के साथ जिसमें पीवी सिंधु, एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत जैसे मजबूत एकल खिलाड़ी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी और तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद जैसी शीर्ष युगल जोड़ी शामिल हैं। उनका अगला मुकाबला मिश्रित टीम बैडमिंटन प्रतियोगिता के प्रारंभिक ग्रुप चरण में मलेशिया के खिलाफ होगा, जिसका 18वां संस्करण 14 से 21 मई तक सुझोउ ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में आयोजित किया जाएगा। राउंड-रॉबिन प्रारंभिक ग्रुप चरण में उनका अंतिम मुकाबला 17 मई को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। सुदीरमन कप फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली 16 टीमों को चार समूहों में विभाजित किया गया है।मेजबान चीन, 12 खिताबों के साथ सुदीरमन कप की सबसे सफल टीम, खिताब की प्रबल दावेदार है और उसे डेनमार्क, सिंगापुर और मिस्र के साथ जोड़ा गया है। ग्रुप बी में इंडोनेशिया, थाईलैंड, जर्मनी और कनाडा जबकि ग्रुप डी में जापान, दक्षिण कोरिया, फ्रांस और इंग्लैंड शामिल हैं। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी जो 19 मई को होगा। सेमीफाइनल 20 मई को खेला जाएगा और फाइनल 21 मई को होगा।

बाकू में दिव्या और सरबजोत ने मिश्रित टीम पिस्टल में जीता गोल्ड

(एजेंसी)

दिव्या टी.एस और सरबजोत सिंह ने अजरबैजान के बाकू में चल रहे अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया और वे तीसरी बार जोड़ी के रूप में भाग्यशाली रहे। प्रतियोगिता के दूसरे दिन भारतीय जोड़ी, जो काहिरा और भोपाल में क्रमशः पहले दो विश्व कप चरणों में पांचवें स्थान पर रही थी, ने 581 के साथ 55-टीम की योग्यता में शीर्ष स्थान हासिल किया, जिससे उन्हें स्वर्ण पदक मुकाबले में पदक जीतने का भरोसा हो गया।सर्बियाई दिग्गज दामिर माइकेक और जोराना अरुणोविच के खिलाफ फाइनल में, भारतीयों ने 16-14 से जीत हासिल की।मार्च में भोपाल में व्यक्तिगत एयर पिस्टल जीतने वाले सरबजोत के लिए यह बैक-टू-बैक आईएसएसएफ विश्व कप में दूसरा आईएसएसएफ विश्व कप स्वर्ण था, जबकि दिव्या के लिए यह पहला सीनियर विश्व कप पदक था। तुर्की के इस्माइल केलेस और सिमल यिलमाज ने कांस्य पदक जीता।क्वालिफिकेशन में, दिव्या और सरबजोत कुल मिलाकर पांचवें स्थान पर रहे और एक अंक से कांस्य पदक से चूक गए। वास्तव में तीन जोड़ियां 581 के समान स्कोर पर समाप्त हुईं, लेकिन दिव्या और सरबजोत को उनके कार्ड पर 24 इनर-10 के साथ शीर्ष के रूप में वर्गीकृत किया गया था। दामिर और जोराना 19 इनर-10 के साथ दूसरे जबकि तुर्की के खिलाड़ी 16 इनर-10 के साथ तीसरे स्थान पर थे।भारतीयों ने एकल शॉट की पहली श्रृंखला में दो समान 10.5 की सीरीज के

साथ एक मजबूत नोट पर फाइनल की शुरूआत की और 2-0 की बढ़त बना ली। हालाँकि, 13-सीरीज बाद में, जिसमें दो टाई सीरीज और साथ ही एक सीरीज (पांचवीं) थी जहां दोनों पुरुषों और दोनों महिलाओं ने एक जैसे शॉट लगाए, दोनों टीमें 14-14 से बराबरी पर रहीं। 15वीं विनर-टेक-ऑल-सीरीज के साथ, सरबजोत ने 10.6 का स्कोर बनाया, जबकि दिव्या ने 9.9 का साथ दिया। हालांकि, भले ही दामिर ने 10.3 का स्कोर किया, जोराना 8.6 के साथ लड़खड़ा गयी और भारतीयों ने एक प्रसिद्ध जीत हासिल की। एयर राइफल मिश्रित टीम में चीन 1-2 दिन के पहले मेडल इवेंट, 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम में चीन को स्वर्ण और रजत पदक मिला।हुआंग युटिंग और शेंग लिहाओ ने दिन के पहले स्वर्ण पदक मैच में 16-14 के स्कोरलाइन से हमवतन वांग जीलिन और यांग होरान को हराया।

संक्षिप्त समाचार

आचारसंहिता उल्लंघन के लिए बटलर पर दस फीसदी जुर्माना लगा

कोलकाता । बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हुए मैच में आचारसंहिता उल्लंघन राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर को महंगा पड़ा है। उनपर मैच फीस का दस फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इससे पहले बटलर को आचार संहिता उल्लंघन का दोषी पाया गया है जिस वजह से उन पर यह जुर्माना लगाया गया है। बटलर ने भी अपनी गलती मान ली है जिस वजह से इस मामले में आगे कार्रवाई नहीं की गयी है। बटलर इस मैच में एक भी रन नहीं बना पाये थे। इस प्रकार उनके लिए यह दोहरा झटका है। आईपीएल के अनुसार राजस्थान रॉयल्स के बटलर पर केकेआर और राजस्थान रॉयल्स के बीच 11 मई में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। बटलर ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया। आचार संहिता के स्तर 1 के उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार रन आउट होकर जब बटलर पवेलियन लौट रहे थे तभी उन्होंने गुस्से में बाउंड्री पर अपना बल्ला मारा, जिस वजह से उन्हें यह सजा सुनाई गई है।

एंकर की भूमिका निभाना चाहते हैं यशस्वी

कोलकाता । राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा है कि कि वह अंत तक बल्लेबाजी कर टीम को जीत दिलाने का कौशल सीख रहे हैं। इस प्रकार देखा जाये तो यशस्वी एंकर की भूमिका निभाना चाहते हैं। यशस्वी ने अब तक इस लीग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रॉयल्स की जीत में अहम भूमिका निभाई है। केकेआर के खिलाफ पिछले मैच में टीम की बड़ी जीत में यशस्वी की अहम भूमिका रही है। इस युवा बल्लेबाज ने 47 गेंद में 12 चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 97 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इस बल्लेबाज ने केकेआर पर मिली जीत के बाद कहा ,'' मेरे दिल में हमेशा यही रहता है कि अच्छा खेलूं। मैं यही सोचता हूं और खुशी होती है जब हम जीतते हैं। मैं अपनी ओर से पूरे प्रयास करतार हूं और इसके लिये तैयारी और सोच अहम रहती है ।''उन्होंने कहा ,'' मैं अंत तक टिककर टीम को जीत दिलाने की कला सीख रहा हूं। यही मेरा लक्ष्य है।'' वहीं केकेआर के खिलाफ अपनी पारी को लेकर उन्होंने कहा ,'' मैं नेट औसत बेहतर करना चाहता था और शतक के बारे में नहीं सोच रहा था।'' उन्होंने साथ ही कहा ,'' आईपीएल से महान खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिल रहा है। आईपीएल युवा खिलाड़ियों के लिये शानदार मंच है।''वहीं टीम के कप्तान संजू सैमसन ने कहा ,'' मुझे कुछ नहीं करना था। बस स्ट्राइक रोटेट करके उसकी बल्लेबाजी देख रहा था। उसे पावरप्ले पसंद है और मुझे खुशी है कि उसने शानदार बल्लेबाजी की।'' वहीं कप्तान ने स्पिनर युजवेंद्र चहल की गेंदबाजी की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि वह अपेक्षाओं पर खरा उतरता है।''

पीसीबी ने एशिया कप के लिए भारत को तटस्थ स्थल का प्रस्ताव दिया

नहीं खेलने पर विश्वकप से बाहर रहने की धमकी दी

कराची ।

भारतीय क्रिकेट टीम ने जहां एशिया कप के लिए पाकिस्तान जाने से इंकार कर दिया है। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अनुसार भारतीय टीम को तटस्थ स्थल पर खेलने का प्रस्ताव दिया गया है। एशिया कप सितंबर में पाक में खेला जाना है पर भारतीय टीम के इंकार के बाद इसके आयोजन पर सवाल उठने लगे हैं और ये भी कहा जा रहा है कि एशिया कप किसी अन्य देश में होगा पर पीसीबी इसके लिए तैयार नहीं है। इसके साथ ही उसने धमकी दी है कि अगर भारतीय टीम पाक नहीं आती तो वे भी अपनी टीम विश्वकप के लिए नहीं भेजेंगे। पीसीबी ने बीसीसीआई को तटस्थ स्थल का प्रस्ताव दिया है पर उस पर भी अभी तक सहमति नहीं बनी है। वहीं भारत में अक्टूबर-नवंबर में एकदिवसीय विश्वकप होना है। ऐसे में पीसीबी ने साफ कर दिया है कि यदि भारतीय टीम पाक नहीं आती है, तो हम भी विश्वकप कप खेलने भारत नहीं जाएंगे। पीसीबी के चेयरमैन नजम सेठी ने कहा कि एशिया कप के मुकाबले हाईब्रिड मॉडल पर इसलिए कराए जा रहे हैं कि ताकि एक खाका तैयार किया जा सके। इससे पाकिस्तान को भी विश्वकप खेलने के लिए भारत नहीं जाना होगा।

वहीं 2025 में पाक होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया को पाक नहीं आना होगा। इस प्रकार दोनो बोर्ड के बीच टकराव से तीन टूर्नामेंट खतरे में आ गये हैं।

सेठी ने कहा कि अगर भारत एशिया कप के लिए अब तटस्थ स्थल चाहता है और हाईब्रिड मॉडल को स्वीकार करता है, तो हम भी विश्वकप में उसी हाइब्रिड मॉडल का उपयोग करेंगे। ऐसे में पाक भी अपने विश्वकप कप के मैच ढाका या किसी अन्य स्थान पर खेल सकता है, जिसके लिए भारत सहमत है और इसी तरह चैंपियंस ट्रॉफी में भी। अन्य सभी देश पाक में खेल सकते हैं पर भारत तटस्थ स्थान पर खेल सकता है.

राणा का पहले गेंदबाजी का फैसला सही था : वेंकटेश

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से शानदार बल्लबाजी करने वाले वेंकटेश अय्यर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में पहला ओवर करने के कप्तान नितीश राणा के फैसले को सही बताया है। केकेआर को इस मैच में केवल 149 रन का बचाव करना था और ऐसे में राणा ने स्वयं पहला ओवर किया जिसपर सवाल उठाये जा रहे हैं। राणा के इसी ओवर में रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल ने दो छक्के और तीन चौके लगाकर 26 रन बनाये थे जिससे केकेआर के हाथ से मैच शुरुआत में ही फिशल गया था। वहीं वेंकटेश ने कहा, ''बाएं हाथ का बल्लेबाज यशस्वी खेल रहा था और राणा ऑफ स्पिनर है। ऐसे में मुझे नहीं लगता कि उनका पहले गेंदबाजी का फैसला गलत फैसला था। राणा का यह फैसला टीम के लिए नुकसानदेह रहा पर वेंकटेश ने कहा कि अगर उन्हें इस ओवर में विकेट मिल जाता तो परिणाम कुछ और होता। उन्होंने कहा,'' हम सभी जानते हैं कि वह गेंदबाजी करते रहे हैं। उन्होंने अपने करियर में कई बार विकेट हासिल किए हैं। उनका यह फैसला हमारी टीम के पक्ष में नहीं रहा पर अगर उन्होंने विकेट ले लिया होता तो यह एक ' मास्टरस्ट्रोक होता। खेल में ऐसी चीजें होती रहती हैं। वेंकटेश ने कहा,'' विकेट थोड़ा धीमा था और हम नई गेंद से स्पिनरों के जरिए इसका लाभ उठाना चाहते थे। ऐसा नहीं हो पाया पर राणा काफी अच्छे गेंदबाज है। जब भी उसने गेंदबाजी है विकेट मिले हैं।

दिल्ली पुलिस के सामने पेश हुए बृजभूषण ने अपने को निर्दोष बताया

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह शुक्रवार को दिल्ली पुलिस के सामने पेश हुई और उन्होंने महिला पहलवानों के लगाये यौन शोषण के आरोपों को पुरी तरह से खारिज कर दिया। बृजभूषण ने पुलिस की ओर से किए गए सवाल-जवाबों के दौरान अपने को निर्दोष बताते हुए साक्ष्य भी दिखाये। बृजभूषण पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोप से संबंधित मामले में दिल्ली पुलिस ने अब तक 30 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज किये हैं। पुलिस अलग-अलग जगह से साक्ष्य भी एकत्र कर रही है। महिला पहलवानों के मामलों की विस्तार से जांच करने के लिए दिल्ली पुलिस ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का भी गठन किया है। एसआईटी में कई अलग-अलग पुलिस अधिकारियों को भी शामिल किया गया है। महिला पहलवानों द्वारा दर्ज शिकायत के आधार पर कई राज्यों में जाकर इस मामले से जुड़े साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि, पहलवान 23 अप्रैल से ही बृजभूषण की गिरफ्तारी और उन्हें पद से हटाये जाने की मांग करते हुए जंतर-मंतर पर धरना दे रहे हैं। उन्होंने डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष पर खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में 28 अप्रैल को एक नाबालिग सहित सात महिला पहलवानों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों के आधार पर बृजभूषण के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थीं। पुलिस ने मामले में एक नाबालिग पहलवान सहित सभी सात शिकायतकर्ताओं के बयान भी दर्ज किए हैं।

इटालियन ओपनः अजारेंका ने स्टीफंस को हराया, बोंडर ने प्लिस्कोवा को शिकस्त दी

(एजेंसी)

इटालियन ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी का भाग्य मिलाजुला रहा, क्योंकि विक्टोरिया अजारेंका ने स्लोएन स्टीफंस को हरा दिया, लेकिन कैरोलिना प्लिस्कोवा यहां अन्ना बोंडर से हार गईं।नंबर 14 वरीयता प्राप्त अजारेंका ने स्लोएन स्टीफंस की छह मैचों की जीत की लय को 6-4, 6-3 से समाप्त किया, जबकि क्वालीफायर बोंडर ने नंबर 13 वरीयता प्राप्त प्लिस्कोवा पर 7-6(5), 6-2 से अपनी पहली शीर्ष 20 जीत दर्ज की। स्कोरलाइन के बावजूद, अजारेंका की 1 घंटे, 42 मिनट की जीत संघर्षपूर्ण रही । 2013 की फाइनलिस्ट पहले सेट में दो बार और दूसरे सेट में एक बार ब्रेक से पीछे थीं। मैच में कुल 10 सर्विस ब्रेक थे। अजारेंका ने इस जीत के साथ स्टीफंस के खिलाफ करियर मुकाबलों में 5-4 की बढ़त ले ली। 2018 और 2019 में अमेरिकी से लगातार चार मैच हारने के बाद, अजारेंका ने अब चार्ल्सटन में दूसरे दौर की जीत के बाद इस साल अपने दोनों मुकाबले जीते हैं। 33 वर्षीय अजारेंका का अगला मुकाबला 19वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज या क्वालीफायर मैग्डेलेना फ्रेच से होगा।दूसरी ओर, 25 वर्षीय हंगेरियन बोंडर प्लिस्कोवा को हराकर पहली बार डब्ल्यूटीए 1000

स्तर या उससे ऊपर के तीसरे दौर में पहुंची।

अफगानिस्तान के सीरीज के बीच ही भारत दौरे के कार्यक्रम को बीसीबी ने स्वीकार किया : यूनुस

लंदन ।

अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम अपने बांग्लादेश दौरे के बीच में ही समय निकालकर भारत में भी सीरीज खेलेगी। अफगानिस्तान को अगले महीने दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच खेलने के लिए बांग्लादेश जाना है पर इस दौरे के एक एक टेस्ट को कम कर दिया गया है। यह खुलासा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के क्रिकेट परिचालन अध्यक्ष जलाल यूनुस ने किया है। उनका कहना है कि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने हमसे अनुरोध किया था कि उनकी टीम एक टेस्ट ही खेलना चाहती है। इसके बाद वह भारत में एक सीरीज खेलने जाएगी और वापसी पर बांग्लादेश में बचे हुए मैच खेलेगी। साथ ही कहा कि हमने इस कार्यक्रम को अपनी सहमति दे दी है। यूनुस ने कहा, ''अफगानिस्तान के साथ हमारे दो टेस्ट थे पर हमने इसमें से एक टेस्ट को कम कर दिया है और अब हम एक टेस्ट के साथ तीन एकदिवसीय और दो टी20 मैच खेलेंगे। हम अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के साथ बात कर रहे हैं और उम्मीद है कि एक या दो दिन के भीतर हम आयोजन स्थल पर कोई फैसला कर लेंगे। उन्होंने कहा, ''एसीबी एक प्रारूप खेलने के बाद टीम को भारत जाना चाहते थे। भारत में खेलने के बाद वे शेष सत्र में खेलने के लिए वापसी बांग्लादेश लौटेंगे। एसीबी के उत्साह को लेकर हमने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।

सीबीएसई का रिजल्ट जारी, रिजल्ट देख सफल विद्यार्थियों के चेहरे खिले

शहर के विभिन्न स्कूलों में शुक्रवार को दोपहर बाद जश्न का माहौल देखने को मिला। सीबीएसई 12वीं एवं 10वीं का रिजल्ट जारी होने के बाद बच्चे परिणाम जानने अपने-अपने स्कूलों में पहुंचे। इस दौरान सफल बच्चों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। रिजल्ट जानने के लिए शहर के विभिन्न चौक-चौराहों स्थित साइबर कैफे में भी भीड़ देखी गयी।

द रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल कुल 9 छात्रों ने A1 और 16 से अधिक छात्रों ने A2 स्कोर किया

सूरत भूमि,सूरत। हमारे स्कूल द रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल परीक्षा ने इस वर्ष मार्च 2023 में आयोजित किया था, जिसमें कुल 109 बच्चों ने आवेदन किया था और सीबीएसई द्वारा दिनांक 12-05 2023 को घोषित परिणाम में कुल 9 छात्रों ने A1 और 16 से अधिक छात्रों ने A2 स्कोर किया था। स्कूल का परिणाम शत प्रतिशत रहा है जिसमें 75 प्रतिशत छात्रों ने 80 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं।

अभय राज 95.6% के साथ पहले स्थान पर

हीर जिवानी 94.8% के साथ दूसरे नंबर पर हैं

मनीष कुमार बसनेट 91.6% के साथ तीसरी रैंक हासिल किया था

समग्र श्रेष्ठ परिणामों में विद्यालय के शिक्षकों का योगदान बहुत अधिक रहा। अत: विद्यालय के ट्रस्टी एवं प्रबंध निदेशक श्री किशनभाई मंगेकिया ने बच्चों को मिठाई एवं फूल देकर बधाई दी तथा भविष्य में बेहतर प्रगति के लिए बधाई दी साथ ही विद्यालय के परिसर निदेशक एवं प्रधानाचार्य ने छात्रों एवं अभिभावकों द्वारा दिये गये सहयोग की सराहना की और बच्चों और माता-पिता को शुभकामनाएं दी गईं।

"श्री गुरुकृपा विद्या संकुल" के छात्रों ने उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए

सूरत भूमि, सूरत। 12.05.2023 को सीबीएसई ने STD: X और XII का परिणाम घोषित कर दिया है। "श्री गुरुकृपा विद्या संकुल" के छात्रों ने उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए और सभी विषयों में बहुत अच्छे अंक प्राप्त किए।

बारहवीं कक्षा के ग्यारह छात्रों को ए1 और ए2 ग्रेड मिला है।

दसवीं कक्षा के ग्यारह छात्रों को जए1 और ए2 ग्रेड मिला है।

जिन छात्रों को एएल ग्रेड मिला है, वे इस प्रकार हैं।

1) सीताजी गुप्ता (बारहवीं-कला) - 97.2%
2) कुणाल अग्रवाल (बारहवीं-विज्ञान) - 94.8%
3) स्वीटी पाणिग्रही (बारहवीं-विज्ञान) - 91.4%
4) सुनील चौधरी (बारहवीं-विज्ञान)-91.2%
5) कनिष्क सिंह (एक्स) - 95.50%

हमारे प्रबंध निदेशक श्री मुकेश पटेल सर ने दसवीं और बारहवीं कक्षा के सभी छात्रों की सराहना और बधाई दी है।

सीबीएसई कक्षा -12 विज्ञान और वाणिज्य में लगातार तेरहवें वर्ष के लिए श्री स्वामीनारायण अकादमी की उपलब्धि

सूरत भूमि, सूरत। अडाजन में स्थित श्री स्वामीनारायण अकादमी ज्ञान, शिक्षा और संस्कारों का त्रिवेणी संगम है। विगत 25 वर्षों से विद्यालय के ट्रस्टी, प्रधानाचार्य एवं स्टाफ सदस्य शिक्षा के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित रहे हैं। हर साल शिक्षा में नए-नए प्रयोगों और तरीकों से बच्चों को शिक्षा को रोचक और दिलचस्प बनाने के लिए अभिनव प्रयास किए जाते हैं।

पिछले 25 वर्षों से लगातार सेंट 10वीं और 12वीं में शत-प्रतिशत रिजल्ट देने में सफल रहा है। कोविड जैसी अत्यंत कठिन परिस्थिति में भी प्राचार्य, शिक्षण स्टाफ और अभिभावकों के संयुक्त प्रयास और सहयोग से विद्यार्थियों ने पहली बार ऑनलाइन परीक्षा दी और बहुत अच्छा परिणाम प्राप्त किया। आचार्य श्रीमित पत्र मैम, पर्यवेक्षक श्रीमती पालेमेम और पूरी कक्षा की मेहनत और प्रोत्साहन से इस वर्ष भी 12वीं कक्षा विज्ञान और एमईआरएस का परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। 12वीं कक्षा के कुल 159 विद्यार्थियों में से ए1 ग्रेड में तथा लगभग 135 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं।

विद्यालय के संस्थापक शास्त्री स्वामी श्री हरिवल्लभदासजी ने सभी छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई दी है। प्रशासक श्री दिनेशभाई गोंडलिया और हिम्मत भाई पटेल सभी छात्रों, स्टाफ सदस्यों और अभिभावकों के उचित समन्वय से ही अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। जिसके लिए सबको शुभकामनाएं दी हैं।

एलपी सवाणी ग्रुप ऑफ स्कूल ने सर्वोत्तम परिणामों की परंपरा को बनाए रखा

सूरत भूमि, सूरत। हीरा नगरी सूरत की जीवन रेखा तापी नदी के दोनों किनारों पर स्थित विश्व के सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थान एलपी सवानी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के विद्यार्थियों ने सीबीएसई 12वीं कक्षा 2022 23 की बोर्ड परीक्षा में सफलता के नए शिखर पर पहुंच गए हैं। हाँ स्कूल के छात्रों ने शानदार सफलता हासिल की है और एलपी सवानी परिवार का नाम पूरे गुजरात में रोशन किया है। इस वर्ष, कक्षा 12 विज्ञान और वाणिज्य में कुल 225 छात्रों में से 31 छात्रों ने एवन क्रेडिट प्राप्त किया है, 60 छात्रों ने ए2 ग्रेड प्राप्त किया है, 62 छात्रों ने बी1 ग्रेड प्राप्त किया है और 42 छात्रों ने बी2 ग्रेड प्राप्त किया है।

अर्थशास्त्र में दो छात्रों यासी गहलोत और आस्था चोपड़ा ने 100 में से 100 अंक हासिल किए हैं, जबकि फिजिकल एजुकेशन में हिट भलानी ने भी 100 में से 100 अंक हासिल किए हैं।

इन सभी छात्रों की सफलता के पीछे एलपी सवानी परिवार के स्कूल के ऊर्जावान प्रधानाचार्य और शिक्षकों की कठोर तपस्या का परिणाम है, जिसे आज सूरत शहर में स्कूल के रूप में जाना जाता है। ये सभी छात्र एलपी सवानी परिवार के प्रधानाध्यापक के शिक्षकों को बधाई देने में खुशी महसूस करते हैं जिन्होंने अपनी अनूठी मेहनत और प्रतिभा से न केवल इस स्कूल बल्कि पूरे एलपी सवानी परिवार का नाम रौशन किया है। वास्तव में सफलता केवल दौड़ के अंतिम चरण में ही नहीं मिलती, बल्कि हर कदम में एक हिस्सा होता है, इसलिए एलपी सवानी स्कूल की सफलता, जिसे हर छात्र ने बड़ी सावधानी से भरा है, आगे भी जारी रहेगा।

बड़ी सफलता हासिल करने वाले सभी छात्रों को विद्यालय के अध्यक्ष श्री मावजीभाई सावनी और उपाध्यक्ष श्री धर्मेंद्रभाई सवानी विद्यालय के प्रधानाचार्य के साथ-साथ शिक्षक मित्रों और पूरे विद्यालय परिवार को छात्रों की सफलता के लिए और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाए।

पीपी सवानी चैतन्य विद्या संकुल (सीबीएसई) अब्राम ने फिर एक बार सफलता का परचम लहराया

सूरत-पीपी सवानी चैतन्य विद्या संकुल (सीबीएसई) अब्राम ही शिक्षा की दुनिया में एकमात्र अग्रणी संस्थान है जो सर्वोत्तम परिणामों की परंपरा को बनाए रखता है। इस साल भी उन्होंने अपनी परंपरा को बरकरार रखा है और यहां के छात्रों ने पूरे सूरत शहर में सफलता का परचम लहराया है।

शिक्षा की दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संस्थान पी. पी. सवानी चैतन्य विद्यासंकुल अब्रामा के छात्रों ने सीबीएसई - 2023 दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में सफलता का नया शिखर साझा किया है। इस स्कूल के सितारों ने ज़बरदस्त सफलता हासिल की और पी. पी। पूरे गुजरात में सावनी परिवार का नाम रोशन है।

इस साल 10वीं कक्षा में कुल 250 छात्रों ने परीक्षा दी थी। ये सभी छात्र पास हुए हैं। पूरे स्कूल का रिजल्ट 95.2त्न रहा है।

रैंक छात्र का नाम (विज्ञान) प्रतिशत
1 श्रुति मथुकिया 94.60%
2 नील लाठिया 94.00%
3 यश ठक्कर 93.00%
4 वंश शेहोरा 92.80%
5. स्मित मारक का 91.80%

रैंक छात्र का नाम (वाणिज्य) प्रतिशत
1 इशिका बलधा 94.40%
2 अंश भिमानी 94.20%
3 रुद्र भट्ट 93.80%
4 हार्वी मेंडापारा 93.60%
5 आयुष मेरुलिया 93.00%

15 छात्र ऐसे हैं जिन्हें ए 1 ग्रेड मिला है। 44 विद्यार्थी ऐसे हैं जिन्हें ए 2 ग्रेड मिला है।

इन सभी छात्रों की सफलता के पीछे पी. पी. यह सवानी परिवार, विद्यालय के ऊर्जावान प्राचार्य, शिक्षकों और माता-पिता की कठोर तपस्या का परिणाम है। इसलिए आज इस स्कूल का नाम सूरत महानगर में गूंज रहा है। इन सभी विद्यार्थियों ने पी. पी. सवानी परिवार, प्रधानाध्यापक और शिक्षकों को बधाई देते हुए एक खुशी की अनुभूति होती है, जिन्होंने अपनी अद्वितीय मेहनत, लगन और प्रतिभा से इस स्कूल को ही नहीं बल्कि पूरे पी. पी. सवानी परिवार का नाम रोशन है। वास्तव में सफलता केवल दौड़ के अंतिम चरण में ही नहीं मिलती, बल्कि हर कदम में उसकी भूमिका होती है। इसीलिए विद्यार्थी जो भी कदम उठाएं समझ बूझकर उठाएं। पी.पी. सवानी चैतन्य विद्या परिसर की सफलता निरन्तर जारी रहेगी।

विद्यालय परिवार के अध्यक्ष श्री वल्लभभाई सवानी, सचिव श्री हर्षदभाई राज्यगुरु, ट्रस्टी श्री जैमिन राज्यगुरु, निदेशक श्री प्रणय जरदोश, प्रधानाचार्य श्री हरीश चंद्र खीची और शिक्षण स्टाफ सभी छात्रों को बधाई देते हैं जिन्होंने बड़ी सफलता हासिल की है और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं ।

सीबीएसई ग्रेड 10 में टीएम पटेल इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

सूरत भूमि, सूरत। टीएम पटेल इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि स्कूल हमेशा की तरह अपने शानदार प्रदर्शन से अनुकरणीय मानकों पर कायम है। यह वर्ष 2022-23 के लिए दसवीं कक्षा के प्रतिशत परिणामों में दिखता है।

रिजल्ट को लेकर स्कूल प्रबंधन, प्राचार्य, फैकल्टी, अभिभावक व छात्र-छात्राएं उत्साहित हैं। सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परिणाम की अपनी परंपरा को जारी रखते हुए स्कूल ने शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त किया है।

बारहवीं कक्षा के 25 छात्र ने परीक्षा दी थी, जिनका सराहनीय प्रदर्शन रहा। इस वर्ष यह वास्तव में एक अविश्वसनीय उपलब्धि है क्योंकि हमारे 30त्न छात्रों ने 90त्न और उससे अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 60त्न छात्रों ने 80त्न और उससे अधिक अंक प्राप्त किए।

स्कूल को अपने टॉपर्स के नामों की घोषणा करते हुए बहुत गर्व हो रहा है- ट्टदिवाम सरावगी ने 94.20त्न स्कोर के साथ स्कूल में टॉप किया, इसके बाद अश्रिता आंदे और जिया ज़वेरी ने 92.8त्न और मनन नागर ने 92.6त्न स्कोर के साथ दूसरा नबर हासिल किया।

प्रधानाचार्य मैक्सवेल एम ने छात्रों को बधाई दी और शिक्षण टीम को उत्कृष्टता की खोज में उनकी प्रतिबद्धता और यह सुनिश्चित करने के लिए धन्यवाद दिया।

सूरत। सूरत पाल स्थित एल.पी.सावनी इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने कक्षा-12 विज्ञान एआईएसएसई-2023 में बेहतरीन प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रौशन किया है। स्कूल ने ए-1 ग्रेड हासिल करने वाले कुल 20 छात्रों के साथ 100त्न परिणाम प्राप्त किया। वहीं कुल 44 छात्रों को ए-2 ग्रेड मिला है।

Unacademy ने सूरत में शिक्षार्थियों के लिए अपना केंद्र खोला

भारत के सबसे बड़े लर्निंग प्लेटफॉर्म UnAcademy* ने आज सूरत, गुजरात में अपना पहला UnAcademy Center खोलने की घोषणा की। सूरत में शानदार शिक्षाविदों का एक महत्वपूर्ण समुदाय है, इस प्रकार यह हमारे ऑफ़लाइन सीखने के टचपॉइंट्स की विस्तृत श्रृंखला के लिए एक मूल्यवान अतिरिक्त है।

सफल लॉन्च पर, UnAcademy के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर विवेक सिन्हा ने कहा, "UnAcademy का दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षार्थी अपनी शैक्षिक यात्रा के दौरान उच्चतम गुणवत्ता प्राप्त करें और बाधाओं से विचलित न हों। सूरत में अपना अनएकेडमी सेंटर लॉन्च करके, हम सशक्त बनाना चाहते हैं। छात्रों को उनके अपने गृहनगर में उच्च गुणवत्ता वाले हाइब्रिड शैक्षिक अनुभव प्रदान करना। गुजरात में अपने दूसरे केंद्र के साथ, हमारा लक्ष्य क्षेत्र के शिक्षार्थियों और हमारे प्रमुख शिक्षकों के बीच बेहतर जुड़ाव को बढ़ावा देना है। यह नया जोड़ "राज्य में प्रत्येक शिक्षार्थी तक पहुंच बढ़ाने" के हमारे प्रयासों के अनुरूप है।

UnAcademy Centers छात्रों के लिए ऑफ़लाइन कक्षाओं की सुविधा प्रदान करेगा और NEET-UG, IIT JEE, और Foundation (9-10) पाठ्यक्रम श्रेणियों में शीर्ष शिक्षकों तक पहुँच का विस्तार करेगा। ऑफ़लाइन अनुभव UnAcademy की शिक्षाशास्त्र, सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास तकनीक और उत्पाद, और ऑनलाइन सदस्यता के साथ पारस्परिक मार्गदर्शन का एक आदर्श संयोजन का वादा करता है। अनएकेडमी सेंटर की अकादमिक टीम में संदीप मोंगा, दीपांश अरोड़ा, जयश्री बैद, अमर सिंह चौहान और शिवकुमार सेन जैसे अनुभवी और प्रतिष्ठित शिक्षक शामिल हैं। हाई-टेक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ, जैसे एक कार्यात्मक पुस्तकालय, संदेह-निवारक विभाग और इंटरैक्टिव स्मार्टबोर्ड के साथ कक्षाएं, केंद्र को सभी शिक्षार्थियों को एक प्रमुख ऑफ़लाइन सीखने का अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। प्रश्न-समाधान सत्र और नियमित अभिभावक-शिक्षक बैठक जैसे अतिरिक्त लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

नेटफ्लिक्स के साथ साझेदारी में बाफ्टा अपने प्रतिष्ठित बाफ्टा ब्रेकथ्रु टैलेंट प्रोग्राम के माध्यम से लगातार तीसरे साल भारत के उभरते सितारों की पहचान कर उनके हुनर को निखारेगा

वर्ष 2021 और 2022 में बाफ्टा ब्रेकथ्रू इंडिया प्रोग्राम की जबर्दस्तो सफलता के बाद, बाफ्टा एक बार फिर तीसरे साल इस स्कीम को लॉन्च करने जा रहा है। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया आज से आरम्भ हो रही है और यह 5 जुलाई तक चलेगी। यह प्रोग्राम राष्ट्र स्तर पर और यूके तथा यूएस में कार्यरत फिल्म, गेम्स और टेलीविज़न उद्योगों में क्रिएटिव के लिए खुला है।

यह साल इसलिए भी खास है क्योंहकि भारत में बाफ्टा ब्रेकथ्रू को नेटफ्लिक्स के सहयोग का तीसरा साल और यूके एवं यूएस में इसका चौथा साल है।

बाफ्टा ब्रेकथ्रू का उद्देश्य दुनिया भर की उभरती प्रतिभाओं की पहचान कर उनके हुनर को निखारना तथा उन्हें अपने चयनित क्षेत्र में अपने कौशल को बेहतर बनाने एवं आगे बढ़ने के लिए ज़रूरी संसाधनों से लैस करना है। पहली बार दस साल पहले यूके में आरम्भ किया गया, बाफ्टा ब्रेकथ्रू आर्ट्स चैरिटी की प्रमुख प्रतिभा योजनाओं में से एक है, जिसके अंतर्गत अभी तक 200 से ज्यादा कॅरियर का विकास किया जा चुका है। बाफ्टा ब्रेकथ्रू इंडिया इस पहल के माध्यम से एक बार फिर भारतीय प्रतिभा की पहचान और यशोगान करने जा रहा है। इसके तहत सहभागियों को उद्योग के बारे में अपना ज्ञान बढ़ाने, अपने शिल्प को विकसित करने, प्रगति की बाधाओं को दूर करने और अपने कॅरियर को आगे बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। साथ ही उन्हेंस अग्रणी प्रोफेशनल्स के साथ वैश्विक नेटवर्क तैयार करने में मदद करने के लिए पूर्वनिर्धारित प्रोग्राम के द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता है।

इस प्रोग्राम में प्राप्तकर्ताओं को इस प्रोग्राम द्वारा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के अवसरों में सहयोग के लिए छात्रवृत्ति के अलावा निम्नलिखित सुविधायें दी जाएँगी :

•उद्योग में वन-टू-वन मीटिंग और सामूहिक चर्चा के सत्र

•एक वर्ष के लिए बाफ्टा की पूर्ण सदस्यता, जिसे आगे बढ़ाने का विकल्प होगा

•उद्योग और समकक्ष ब्रेकथ्रू समूहों के साथ वैश्विक नेटवर्किंग के अवसर

•कॅरियर कोचिंग सत्रों की सुलभता और पेशेवर कौशल के विकास में सहयोग

•12 महीनों के लिए बाफ्टा के वर्चुअल कार्यक्रमों और स्क्रीनिंग तक पहुँच

बाफ्टा के शिक्षण, समावेशन, नीति और सदस्यता के एक्जीकक्यूमटिव डायरेक्ट्र, टिम हंटर ने कहा कि, च्यूके की संस्कृति में दक्षिण एशियाई समुदाय के महत्वपूर्ण योगदान और भारत के फिल्म उद्योग के विश्वव्यापी प्रभाव के मद्देनज़र, हमें भारत की रचनात्मक कलाओं पर अपनी छाप छोड़ने और हमारे दोनों देश के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान में सहयोग करने के लिए चेंज-मेकर्स की अगली पीढ़ी को सहयोग करते हुए बेहद खुशी हो रही है। हम बाफ्टा ब्रेकथ्रू को जीवंत बनाने में उदारतापूर्वक ज़रूरी सहयोग के लिए नेटफ्लिक्स को धन्यवाद देते हैं।"

अकुशल से कुशल: गुजरात में राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिए कुशल कामगार तैयार कर रही कामधेनू

सूरत भूमि, सुरत। सुरक्षित निर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत की सबसे बड़ी निर्माता और रिटेल में ब्रांडेड टीएमटी बार की विक्रेता कामधेनू लिमिटेड, गुजरात में हर महीने 2-3 राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। इस कार्यक्रम के जरिए कंपनी हर माह 150 से अधिक राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षण दे रही है। कंपनी 80 से 100 राजमिस्त्री के समूह के साथ नियमित बातचीत एवं प्रशिक्षण और गुणवत्ता कार्यक्रम सुनिश्चित करती है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से कंपनी निर्माण क्षेत्र के बारे में नवीनतम जानकारी उन लोगों तक पहुंचाती है जो निर्माण और चिनाई के काम में शामिल हैं। कामधेनु की ओर से बैठक को प्रतिभागियों के लिए अधिक इंटरैक्टिव और रोमांचक बनाने के लिए एक विशेष रूप से तैयार की गई फिल्म भी दिखाई जाती है। जिसमे अच्छी किस्म के मैटेरियल का उपयोग करने पर बल दिया जाता है।

निर्माण में स्टील के उपयोग के बारे में बात करने के अलावा, राजमिस्त्री कंपनी के इनोवेटिव उत्पादों जैसे अगली पीढ़ी के इंटरलॉक स्टील च्कामधेनु एनएक्सटीज के बारे में भी विस्तृत जानकारी देते हैं। कार्यक्रम को राजमिस्त्री समुदाय से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है।

कामधेनु लिमिटेड के निदेशक श्री सुनील अग्रवाल ने कहा, "कामधेनु ग्रुप ने साल 2009 से राजमिस्त्रियों को शिक्षित करने और उन्हें निर्माण और संरचनात्मक सुरक्षा के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी देने की पहल की थी। हमारा उद्देश्य देश के अकुशल कार्यबल का कौशल और उत्थान करना है। स्थानीय और घटिया सरिया का उपयोग करने से निर्माणो की गुणवत्ता खराब होती है और बार-बार मरम्मत की आवश्यकता होती है। हमें खुशी है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से हम निर्माण और मरम्मत कार्यों के लिए अपने स्वयं के कामधेनु एनएक्सटी जैसे सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले उत्पादों का उपयोग करने के लाभों के बारे में श्रमिकों को शिक्षित करने में सक्षम हैं। इस तरह का आयोजन निर्माण समुदाय के सर्वोत्तम हित में है।"

उन्होंने कहा कि, "कंपनी का उद्देश्य हर मिस्त्री और बेलदार को शिक्षित कर उसे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है और हमें खुशी है की हमारे इस कदम से हजारो लोगो की जीवन शैली में सुधार आया है।"

कंपनी गुजरात के अलावा भारत के विभिन्न राज्यों में हर महीने चरणबद्ध तरीके से ऐसी कार्यक्रम आयोजित करती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)